हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, गुरूवार, 11 दिसंबर 2025, वर्ष- 08, अंक- 283, पृष्ठ-8, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 08

कोहली वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे, रोहित शर्मा शीर्ष पर...

हम सब मिलकर एक पारदर्शी, सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करें : पीएम मोदी

आपका पैसा, आपका अधिकार भूली वित्तीय संपत्ति को नए अवसर में बदलने का मौका

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि आपका पैसा, आपका अधिकार पहल का मकसद यह पक्का करना है कि हर नागरिक अपने हक का पैसा वापस पा सके, क्योंकि भारतीय बैंकों, बीमा और म्यूचुअल फंड कंपनियों में हजारों करोड़ रुपए बिना दावे के पड़े हैं। पीएम मोदी ने पोस्ट में कहा कि यह एक भूली हुई वित्तीय संपत्ति को एक नए अवसर में बदलने का मौका है। आइए, हम सब मिलकर एक पारदर्शी, आर्थिक रूप से सशक्त और समावेशी भारत का निर्माण करें। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने बताया कि भारतीय बैंकों के पास हमारे अपने नागरिकों के 78,000 करोड़ रुपए बिना क्लेम किए पड़े हैं। इंश्योरेंस कंपनियों के पास करीब 14,000 करोड़ रुपए बिना क्लेम के पड़े हैं। म्यूचुअल फंड कंपनियों के पास करीब 3,000 करोड़ रुपए हैं, और 9,000 करोड़ रुपए के डिविडेंड भी बिना क्लेम किए हुए हैं। अपनी पोस्ट में, पीएम मोदी ने कहा कि इन तथ्यों ने बहुत से लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने कहा कि आखिरकार ये संपत्तियां अनगिनत परिवारों की कड़ी मेहनत की बचत और निवेश हैं। इसे ठीक करने के लिए, अक्टूबर 2025 में आपका पैसा, आपका अधिकार पहल शुरू की गई थी। इसका मकसद यह तय करना है कि हर नागरिक वह वापस पा सके जो सही मायने में उसका है। फंड को ट्रैक करने और क्लेम करने की प्रक्रिया को आसान और पारदर्शी बनाने के लिए, खास पोर्टल बनाए गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के पास बिना क्लेम किए गए बैंक डिपॉजिट और बैलेंस के लिए यूडीजीएएम पोर्टल है; भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण के पास बिना क्लेम किए गए बीमा पॉलिसी के पैसे के लिए बीमा भरोसा पोर्टल है; भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास म्यूचुअल फंड में बिना क्लेम की गई रकम के लिए मित्र पोर्टल है, और कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय बिना भुगतान किए गए डिविडेंड और बिना क्लेम किए गए शेयरों के लिए आईईपीएफए पोर्टल प्रदान करता है। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दिसंबर 2025 तक ग्रामीण और शहरी भारत के 477 जिलों में सुविधा कैंप आयोजित किए गए हैं। दूरदराज के इलाकों को कवर करने पर जोर दिया गया है। सभी स्टेकहोल्डर्स, खासकर सरकार, रेगुलेटरी बॉडी, बैंकों और अन्य फाइनेंशियल संस्थानों के मिले-जुले प्रयासों से, करीब 2,000 करोड़ रुपए पहले ही सही मालिकों को लौटा दिए गए हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि आने वाले दिनों में इस अभियान को और बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने के लिए मैं आपसे निम्नलिखित बातों पर मदद का अनुरोध करता हूं। जांचें कि क्या आपके या आपके परिवार के पास बिना क्लेम किए गए डिपॉजिट, बीमा के पैसे, डिविडेंड या निवेश हैं, मैंने जिन पोर्टल्स का जिक्र किया है, उन पर जाएं और अपने जिले में सुविधा कैंप का इस्तेमाल करें।

प्रधानमंत्री ने शहीद दिवस पर असम आंदोलन के वीरों को नमन किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को शहीद दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक असम आंदोलन में शामिल वीरों के साहस और बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि असम आंदोलन आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राज्य की सांस्कृतिक मजबूती तथा समग्र विकास के संकल्प को दोहराती है।प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि शहीद दिवस पर असम आंदोलन का हिस्सा रहे सभी वीरों के साहस का स्मरण किया जाता है। यह आंदोलन देश के इतिहास में सदैव महत्वपूर्ण स्थान रखेगा। केंद्र सरकार उन सभी के सपनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है, विशेष रूप से असम की संस्कृति को सुदृढ़ करने और राज्य की सर्वांगीण प्रगति के लिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि असम आंदोलन ने राज्य की अस्मिता, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक वैभव को नई दिशा प्रदान की।

प्रत्येक नागरिक की गरिमा और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं हो सकता : राष्ट्रपति

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि प्रत्येक नागरिक की गरिमा और अधिकारों पर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। भारत की सांस्कृतिक परंपरा वसुधैव कुटुम्बकम के सिद्धांत पर आधारित है, जो सार्वभौमिक मानवाधिकारों की भावना को मजबूत करती है। राजधानी दिल्ली में हुए इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन, आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति बिद्युत रंजन सारंगी, विजया भारती सयानी, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव पीके मिश्रा तथा संयुक्त राष्ट्र महासचिव की समन्वयक अरेती सिएनी सहित तमाम लोग मौजूद रहे। इस मौके पर राष्ट्रपति मूमू ने आयोग के हिंदी जर्नल नई दिशाएं और अंग्रेजी जर्नल जर्नल आफ द एनएचआरसी का वर्ष 2024- 25 का संस्करण जारी किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत ने सार्वभौमिक मानवाधिकार घोषणा पत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उसकी मूल भावना मानव गरिमा, समानता और स्वतंत्रता भारत की संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कहा कि संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव आंबेडकर ने मानवाधिकार, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय को एक दूसरे से अविभाज्य बताया था। राष्ट्रपति ने कहा कि एनएचआरसी ने हाल के वर्षों में अनुसूचित जातियों, जनजातियों, महिलाओं, बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों और दिव्यांगजनों से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान दिया है। आयोग 3000 से अधिक मामलों में स्वप्रेरणा से कार्यवाही कर चुका है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 का लक्ष्य तभी पूरा होगा जब विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार और विकास परस्पर जुड़े हैं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, स्वच्छ पानी, स्वच्छता और सामाजिक सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं सभी नागरिकों तक पहुंचाना मानवाधिकारों की पूर्ति का आधार है। एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल और पीएम श्री स्कूल जैसे संस्थानों ने वंचित वर्गों के छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई है। आवास और खाद्य सुरक्षा योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है जिससे उन्हें सम्मानपूर्ण जीवन जीने का आधार मिला है। उन्होंने कहा कि हाल के श्रम सुधारों और सामाजिक सुरक्षा प्रावधानों से श्रमिकों के अधिकार और सुदृढ़ हुए हैं। सुदूर और सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले सभी नागरिकों तक आवश्यक सुविधाएं पहुंचाना सरकार और समाज की साझा जिम्मेदारी है। समावेशी विकास का अर्थ है कि विकास की यात्रा में कोई भी व्यक्ति पीछे न रह जाए।

संक्षिप्त समाचार

शराब घोटाले पर मरांडी का हमला, नुकसान 136 करोड़ पार, स्वतंत्र जांच की मांग

रांची। झारखंड में शराब घोटाले को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एसीबी जांच में घोटाले की राशि अब 136 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है, जबकि सरकार पहले 38 और फिर 70 करोड़ रुपये के नुकसान की बात कह रही थी। मरांडी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद को बचाने के लिए किसी अधिकारी को "बलि का बकरा" बनाने की तैयारी में हैं। उन्होंने कहा कि बिना एग्रीमेंट और टेंडर के एक निर्धारित कंपनी को शराब आपूर्ति का काम दे दिया गया, जिससे नियमों की खुली अवहेलना हुई। उन्होंने कहा कि एसीबी जांच ने साफ कर दिया है कि कंपनी ने सरकार को 136 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया। मरांडी ने मांग की कि इस घोटाले की केंद्रीय एजेंसियों द्वारा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच हो, ताकि असली जिम्मेदारों तक पहुंचा जा सके।

साहिबगंज अवैध पत्थर उत्खनन मामले में सीबीआई जांच जारी रहेगी : सुप्रीम कोर्ट

रांची। साहिबगंज में अवैध पत्थर उत्खनन के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच रोकने की राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी है। कोर्ट ने रांची हाईकोर्ट द्वारा दिए गए सीबीआई जांच के आदेश को सही ठहराते हुए जांच जारी रखने का निर्देश दिया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि साहिबगंज में 1,500 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध खनन मामले में सरकार लगातार जांच से बचने की कोशिश कर रही थी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने कई आरोपितों को बचाने और शिकायतकर्ताओं पर दबाव डालने की भी कोशिश की। मरांडी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी जीत है और यह हेमंत सरकार के लिए "ताबूत में अंतिम कील" साबित होगा।

राज्य में 65% मतदाता मैपिंग पूरी, शहरी क्षेत्रों से सहयोग की अपील

रांची। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि वर्तमान मतदाता सूची का विगत एसआईआर सूची से मैपिंग कार्य राज्य में 65% तक पूरा हो चुका है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह 70% से अधिक है। उन्होंने शहरी क्षेत्र के मतदाताओं से अपील की कि वे विगत एसआईआर की सूची में अपना नाम खोजने में सहयोग करें। सीईओ कार्यालय ने मतदाताओं की सुविधा के लिए एक ट्यूटोरियल वीडियो जारी किया है, जिसकी सहायता से मतदाता भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट तथा संबंधित राज्य के सीईओ पोर्टल पर जाकर अपना नाम खोज सकते हैं। झारखंड के मतदाता https://ceo.jharkhand.gov.in/ पर अपना विवरण देख सकते हैं, जबकि अन्य राज्यों से आए लोग https://voters.eci.gov.in/ का उपयोग कर सकते हैं। जो मतदाता एसआईआर सूची में अपना नाम नहीं ढूंढ पा रहे हैं, वे 1950 हेल्पलाइन पर संपर्क कर सहायता ले सकते हैं। श्री रवि कुमार ने कहा कि अधिक पैतृक मैपिंग से एसआईआर प्रक्रिया में दस्तावेजों की आवश्यकता कम होगी और कोई भी योग्य मतदाता सूची से छूटे नहीं, यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 160 स्टेशनों का हुआ पुनर्विकास : रेल मंत्री

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

सरकार ने बुधवार को लोकसभा को बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर में 160 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास कार्य पूरा हो चुका है। प्रश्नकाल के दौरान तेलंगाना के आदिलाबाद से भाजपा के सदस्य गोडम नागेश के रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं से जुड़े प्रश्न पर रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि देश में सात हजार से अधिक रेलवे स्टेशन हैं, जिनका श्रेणीकरण फुटफॉल, ट्रेन आवागमन और व्यस्तता के आधार पर एनएसजी-1 से एनएसजी-6 तक किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर शुरू की गई अमृत भारत स्टेशन योजना आज दुनिया का सबसे बड़ा स्टेशन पुनर्निर्माण कार्यक्रम है। इस योजना के तहत 1300 से अधिक स्टेशनों पर पुनर्निर्माण कार्य जारी है, जिनमें से 160 स्टेशन पूरी तरह विकसित किए जा चुके हैं। रेल मंत्री ने कहा कि पहले केवल रंगाई-पुताई को ही स्टेशन विकास माना जाता था, लेकिन अब 50 वर्षों की भविष्य जरूरतों को ध्यान में रखते हुए व्यापक मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। इसमें स्थानीय वास्तुकला का समावेशन, दोनों ओर से स्टेशन तक आसान पहुंच, आधुनिक फुटओवर ब्रिज, बड़े पैसेंजर हॉल, पार्किंग क्षेत्रों का विकास तथा स्टेशन एक्सेस को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में छठ और दीपावली के दौरान यात्रियों की भीड़ को सुव्यवस्थित करने के लिए नई दिल्ली स्टेशन से शुरू किए गए बड़े होल्डिंग एरिया की व्यवस्था को 50–60 स्टेशनों तक विस्तारित किया गया, जिससे यात्रियों को काफी सुविधा मिली। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार अत्यंत गंभीर और व्यवस्थित प्रयासों के साथ देश के रेलवे स्टेशनों के आधुनिक पुनर्निर्माण की दिशा में काम कर रही है, जिससे यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक और बेहतर यात्रा अनुभव मिल सके।

पश्चिम बंगाल में 99 आरओबी और अंडरपास राज्य सरकार के सहयोग के अभाव में लंबित : रेल मंत्री

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 99 रोड ओवरब्रिज (आरओबी) और अंडरपास राज्य सरकार के सहयोग के अभाव में लंबित हैं। लोकसभा में प्रश्नकाल के दौरान पश्चिम बंगाल के मालदा दक्षिण से कांग्रेस सदस्य ईशा खान चौधरी के प्रश्न पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सांसद द्वारा उठाए गए एलसी-43 पर आरओबी संबंधी मुद्दे पर तुरंत कार्रवाई की गई है। सांसद के आग्रह पर एक विशेषज्ञ टीम को स्थल निरीक्षण के लिए भेजा गया था और टीम की रिपोर्ट के आधार पर आरओबी को मंजूरी दे दी गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में आरओबी के एलाइनमेंट को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया चल रही है। इस आरओबी के पास लगभग 90 मीटर दूरी पर राष्ट्रीय राजमार्ग का एक फ्लाईओवर भी स्थित है, इसलिए दोनों संरचनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए डिज़ाइन के सिंक्रोनाइज़ेशन पर काम किया जा रहा है। रेल मंत्री ने सदन को अवगत कराया कि पश्चिम बंगाल में कुल 99 आरओबी, फ्लाईओवर और अंडरपास विभिन्न कारणों से लंबित हैं, जिनमें राज्य सरकार का सहयोग न मिलना प्रमुख कारण है। उन्होंने कहा कि 41 परियोजनाओं में एलाइनमेंट पर राज्य सरकार की अंतिम स्वीकृति आवश्यक है। 14 फ्लाईओवरों की अंतिम ड्राइंग राज्य सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रही है।

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट हर रोज 100 अतिरिक्त फ्लाइट्स करेगा शुरु

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट एयरलाइन ने मौजूदा सर्दियों के मौसम में प्रमुख रूटों पर बढ़ती मांग को देखते हुए अपनी सेवाओं को बढ़ाने की योजना बनाई है। इसका मकसद भारतीय विमानन बाजार में पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित करना है। इस कोशिश के चलते स्पाइसजेट ने नियामक अनुमोदन के अंतर्गत मौजूदा विंटर शेड्यूल के दौरान हर रोज 100 अतिरिक्त फ्लाइट्स शुरू करने की योजना बनाई है। पिछले दो महीनों में, एयरलाइन ने 17 विमानों को अपने एक्टिव ऑपरेशन में शामिल किया है। यह विस्तार डैम्प-लीज पर लिए गए विमानों और अपने खुद के विमानों को सेवा में वापस लाने के जरिए किया गया है। इस बढ़ी हुई मांग से स्पाइसजेट को ज्यादा मांग वाले रूटों पर अतिरिक्त क्षमता तैनात करने में मदद मिलेगी। स्पाइसजेट ने कहा है कि वह सर्दियों में मजबूत और बढ़ती मांग को देख रही है। अपनी सेवाओं को बढ़ाने और भारतीय विमानन बाजार में पर्याप्त क्षमता सुनिश्चित करने के लिए, एयरलाइन ने नियामक अनुमोदन मिलने पर वर्तमान शीतकालीन शेड्यूल में प्रतिदिन 100 अतिरिक्त फ्लाइट्स शुरू करने की योजना बनाई है।

इंडिगो उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी की कटौती की, अब यह 10 फीसदी किसे मिलेगा?

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) सांसद राम गोपाल यादव ने बुधवार को दावा किया कि इंडिगो की उड़ानें रद्द और देरी होने से हुई परेशानी नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक आदेश के कारण हुई। यादव डीजीसीए द्वारा जारी नए उड़ान ड्यूटी समय सीमा नियमों का हवाला दे रहे थे। सांसद रामगोपाल ने कहा कि लोगों को यह सोचने की जरूरत है कि यह सब क्यों हुआ। यह नागरिक उड्डयन मंत्रालय के एक आदेश के बाद हुआ। एयरलाइन के उड़ान कार्यक्रम में 10 फीसदी की कटौती की गई है। अब यह 10 फीसदी किसे मिलेगा? टाटा को मिलेगा। टाटा अडानी को ले जा रहा है। यह बात सभी जानते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डीजीसीए ने मंगलवार को इंडिगो को सभी क्षेत्रों में अपनी उड़ान संचालन में 5 फीसदी की कटौती करने का निर्देश दिया था, क्योंकि एयरलाइन अपने शीतकालीन कार्यक्रम को कुशलतापूर्वक संचालित करने में विफल रही है और विमान रद्द होने का एक बड़ा मामला सामने आया।

कच्छ में भूकंप का जोरदार झटका, डरे लोग घरों से भागे बाहर

कच्छ। गुजरात के कच्छ में देर रात भूकंप के महसूस किए गए। जैसे ही लोगों को समझ में आया कि ये भूकंप के झटके हैं लोग डरकर घर से बाहर की तरफ भागने लगे और अफरा-तफरा मच गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार इस भूकंप की तीव्रता 3.7 मापी गई है जो हल्के से मध्यम श्रेणी का माना जाता है। भूकंप का केंद्र कच्छ क्षेत्र में ही था। चूंकि कच्छ इलाका पहले भी विनाशकारी भूकंप झेल चुका है इसलिए रात के समय आए इन झटकों से इलाके के लोगों में एक बार फिर दहशत फैल गई और कई लोग घरों से बाहर निकल आए। स्थानीय प्रशासन के अधिकारियों ने बताया कि इस भूकंप की तीव्रता अपेक्षाकृत कम थी।

14 दिसंबर को हजारीबाग में आजसू का मिलन समारोह, मुख्य अतिथि होंगे सुदेश महतो

नई सोच एक्सप्रेस। हजारीबाग

आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो 14 दिसंबर को नगर भवन, हजारीबाग में आयोजित मिलन समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। कार्यक्रम में अन्य दलों के कई नेता–कार्यकर्ता पार्टी जॉइन करेंगे। समारोह में सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, विधायक निर्मल महतो, केंद्रीय महासचिव संजय मेहता सहित वरिष्ठ नेता मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिलाध्यक्ष परमेश्वर महतो की अध्यक्षता में जिला समिति की बैठक हुई, जिसमें केंद्रीय महासचिव संजय मेहता समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। मेहता ने कहा कि हजारीबाग में आजसू के प्रति बढ़ती रुचि बताती है कि पार्टी झारखंड की नई राजनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रही है। समारोह में सुदेश महतो नव–सदस्यों को पार्टी की सदस्यता प्रदान करेंगे। आजसू की युवा और छात्र इकाइयों ने व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाकर कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प लिया है।

दीपावली त्यौहार यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

भारत के दीपावली त्यौहार को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल कर लिया गया है। इस ऐतिहासिक फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुशी जताकर कहा कि दीपावली हमारे देश की संस्कृति और मूल्यों से गहराई से जुड़ा हुआ है। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और दुनियाभर में लोग इस खबर से बहुत खुश हैं। हमारे लिए दीपावली हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह प्रकाश और धर्म का प्रतीक है। यूनेस्को की इस सूची में दीपावली के शामिल होने से यह त्यौहार विश्व स्तर पर और अधिक लोकप्रिय होगा। साथ ही कहा कि प्रभु श्री राम के आदर्श हमें सदैव मार्गदर्शन देते रहें। यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में संरक्षण से दीपावली जैसे त्यौहार को विश्वभर में पहचान और संरक्षण मिलेगा। इससे भारतीय सांस्कृतिक धरोहर और अधिक मजबूत होगी। साथ ही यह युवा पीढ़ी के बीच पारंपरिक उत्सवों की महत्ता समझने में मदद करेगा। बात दें कि यह फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की 20वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह 8 से 13 दिसंबर तक चलेगी। इस मौके को देखकर केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके। यूनेस्को की सूची दुनिया की ऐसी सांस्कृतिक और पारंपरिक चीजों को शामिल करती है, जिन्हें छू नहीं सकते लेकिन अनुभव किया जा सकता है। इन्हें अमूर्त विश्व धरोहर कहते हैं। इसका मकसद है कि ये सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचें।

जयपुर हाईकोर्ट को मिली बम विस्फोट की धमकी

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में लगातार तीसरे दिन बम विस्फोट की धमकी मिली इस सप्ताह की शुरुआत से रोजाना ऐसी धमकी भरा ईमेल मिल रहा है. धमकी मिलने के बाद हाईकोर्ट प्रशासन ने मुकदमों की सुनवाई करीब एक घंटे रोक दी. हाईकोर्ट परिसर की जांच की गई. वकीलों और पक्षकारों समेत अन्य सभी को मुख्य परिसर से बाहर कर तलाशी ली गई. धमकी को देखते हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के होने वाले चुनाव में प्रशासन से अतिरिक्त सुरक्षा बल की मांग की गई है। हाईकोर्ट चौकी प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि बम की सूचना पर पुलिस के बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड ने पूरे हाईकोर्ट परिसर के चप्पे-चप्पे की जांच की हाईकोर्ट के मुख्य परिसर से न्यायिक कर्मी, अधिवक्ता व पक्षकारों को बाहर निकाला. फायर बिग्रेड और एंबुलेंस तैनात की.हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जयपुर के पूर्व अध्यक्ष प्रहलाद शर्मा ने कहा कि अब यह गंभीर मुद्दा बन चुका है कि रोजाना कौन धमकी दे रहा है?. पता लगाना चाहिए कि इसके पीछे खास मुकदमे की सुनवाई टालना है या रोजाना धमकी देकर प्रशासन को उदासीन कर बाद में बड़ी घटना को अंजाम देने की साजिश है।

तीर्थयात्रियों से भरी बस और ट्रक में भिडंत चालक सहित 4 की मौत, 28 घायल

फतेहपुर। खाटूश्याम जा रही तीर्थयात्रियों से भरी बस एक ट्रक से जा भिड़ी। इस हादसे में बस चालक समेत तीन लोगों की मौत हुई है जबकि 28 लोग घायल हैं जिसमें से 7 की हालत गंभीर है। राजस्थान के फतेहपुर शेखावाटी में मंगलवार देर रात जयपुर-बीकानेर नेशनल हाईवे पर हुए इस दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। यहां एक स्लीपर बस और ट्रक के बीच भीषण भिड़ंत हो गई जिसमें बस ड्राइवर समेत 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 28 यात्री घायल हो गए। घायलों में 7 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसा मंगलवार देर रात करीब 10:40 बजे फतेहपुर के पास हुआ। जानकारी के अनुसार स्लीपर बस बीकानेर की ओर से जयपुर जा रही थी जबकि ट्रक झुंझुनू से बीकानेर की ओर जा रहा था। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा बुरी तरह से चकनाचूर हो गया। कई यात्री अपनी सीटों में ही फंस गए। बस में सवार एक यात्री शीला बेन जिन्हें नाक में फ्रैक्चर हुआ है ने बताया कि वे खाटूश्यामजी जा रहे थे। उन्होंने कहा, ज़्यादातर सवारी सो चुकी थी। मैं अपने बेटे के साथ थी तभी अचानक एक ज़ोर का झटका लगा। दुर्घटना में घायल हुए अन्य 13 यात्रियों का इलाज फतेहपुर के स्थानीय अस्पताल में चल रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार सरकार के पूर्व मंत्री एवं पूर्व सांसद बिजय कृष्ण ने राजद छोड़ा

पटना।राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष, लालू प्रसाद को पत्र लिखकर राष्ट्रीय जनता दल के प्राथमिक सदस्यता से त्याग पत्र दे दिया। पत्र में बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और पूर्व सांसद बिजय कृष्ण ने लिखा कि मैंने दलगत और सक्रिय राजनीति से अलग होने का निर्णय लिया है। सनद रहे कि बाढ़ के कल्याणपुर निवासी, बिजय कृष्ण लोहिया विचार धाराओं से ओतप्रोत समाजवादी पार्टी, जनता पार्टी, जनता दल और राष्ट्रीय जनता दल में सक्रिय भूमिका निभाई। एक समय दादा, बशिष्ट नारायण सिंह और नीतीश कुमार के अंतरंग रहे बिजय कृष्ण उपेक्षा के शिकार होकर राजनीति से संन्यास लेने का निर्णय लिया है।

नीतीश कुमार ने निभाया वादा, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद के परिवार को मिली सरकारी नौकरी : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता अंजुम आरा एवं मीडिया पैनलिस्ट किशोर कुणाल ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए बीएसएफ सब-इंस्पेक्टर मो.इम्तियाज के परिवार को सरकारी नौकरी प्रदान करने का फैसला लेकर अपना वादा निभाने का काम किया है। कैबिनेट द्वारा स्वीकृत निर्णय के अनुसार शहीद के पुत्र मोहम्मद इमदाद रजा को बिहार सरकार में अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की जाएगी। यह कदम उन वीर परिवारों के प्रति राज्य सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिनके सदस्यों ने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है। सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज, मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सीमा की रक्षा करते हुए उन्होंने अदम्य साहस का परिचय दिया और वीरगति को प्राप्त हुए। देश सेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीद परिवार से मुलाकात के दौरान उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करने का वादा किया था। राज्य सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि शहीदों के सम्मान, उनके परिवारों के पुनर्वास और सामाजिक सुरक्षा के लिए ऐसी मानवीय एवं संवेदनशील पहलें भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी। यह निर्णय बिहार की उस गौरवपूर्ण परंपरा को पुनः स्थापित करता है, जिसमें राष्ट्र रक्षा में प्राण न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों के परिवारों को सर्वोच्च सम्मान दिया जाता है।

तीन नए विभागों के गठन से बिहार के विकास को नई दिशा मिलेगी : महाचन्द्र

पटना। पूर्व मंत्री डॉ. महाचन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नई एनडीए सरकार का सबसे बड़ा ध्यान बिहार को आगे बढ़ाना और लोगों की भलाई करना है। उन्होंने कहा कि युवाओं, शिक्षा और प्रशासन सुधार के लिए तीन नए विभागों का गठन इस दिशा में बहुत जरूरी कदम है। इससे योजनाओं का असर सीधे लोगों तक पहुंचेगा। डॉ. सिंह ने कहा कि नए विभागों से युवाओं के लिए नौकरी के मौके बढ़ेंगे, स्कूल-कॉलेजों की शिक्षा सुधरेगी और सरकारी कामकाज और बेहतर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों का महंगाई भत्ता 5% बढ़ाने का जो निर्णय लिया है, वह जनता की जरूरत और सरकार की जिम्मेदारी को दिखाता है। डॉ. सिंह ने कहा कि नई एनडीए सरकार तेजी से और संगठित तरीके से काम कर रही है और केंद्र और राज्य का तालमेल भी मजबूत है, जिससे बिहार में विकास के काम और तेजी से हो रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपने को पूरा करने में बिहार की भूमिका बहुत अहम है, और सरकार इस दिशा में लगातार काम कर रही है। डॉ. महाचन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि इन फैसलों से जनता को जल्दी ही फायदा मिलेगा और बिहार तेजी से प्रगति करेगा।

बिहार पुलिस ड्राइवर-सिपाही भर्ती परीक्षा, 1.64 लाख कैंडिडेट्स शामिल

पटना। बिहार पुलिस ड्राइवर सिपाही भर्ती के लिए बुधवार को लिखित परीक्षा हुई। इसमें कुल 1 लाख 64 हजार कैंडिडेट्स शामिल हुए। एग्जाम के लिए पटना समेत बिहार के 15 जिलों में कुल 315 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। पटना में इस परीक्षा के लिए 32 सेंटर बनाए गए, जिन्हें 17 जोन में बांटा गया था। परीक्षा के लिए 40 स्टेटिक दंडाधिकारी, 17 जोनल दंडाधिकारी, 8 उड़नदस्ता दंडाधिकारी और 10 सुरक्षित दंडाधिकारी तैनात किए गए थे। परीक्षा दोपहर 12.00 बजे से 2.00 बजे तक हुई। आर्थिक अपराध इकाई ने बुधवार से शुरू हो रही चालक सिपाही भर्ती परीक्षा में बड़ी धांधली को रोक दिया। सोमवार की रात को पटना के गोला रोड में छापेमारी कर एजेंसी ने बड़े परीक्षा माफिया संजय कुमार प्रभात को गिरफ्तार किया। संजय शेखपुरा के शेखपुर बाजार का रहने वाला है। वह 10 दिसंबर को चालक सिपाही बहाली की लिखित परीक्षा और 14 दिसंबर को दरोगा बहाली की परीक्षा में धांधली की साजिश रच रहा था। अभ्यर्थियों को पास कराने का झांसा दे रहा था। बदले में वह अभ्यर्थियों से पैसे ले रहा था। संजय के मोबाइल से 72 अभ्यर्थियों का एडमिट कार्ड बरामद हुआ है। इनमें चालक सिपाही, दरोगा और रेलवे परीक्षाओं के अभ्यर्थी शामिल हैं। ईओयू 21 महीने से संजय को तलाश रही थी। वह बीपीएससी टीआरई-3 पेपर लीक में फरार था। सोमवार को उसके गोला रोड में छिपे होने की सूचना मिली। फिर छापेमारी कर उसे गिरफ्तार किया गया।

नाट्योत्सव के पहले दिन नाटक गुंडा का मंचन हुआ

पटना। गुंडा जयशंकर प्रसाद की क्लासिक रचनाओं में से एक है। अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध के काशी की पृष्ठभूमि पर आधारित यह पूरा कथानक एक पचास वर्षीय डील-डौल वाले, नगपुरिया धोती पहने, बिच्छू बूटी और गरासा थामे ऐसे गुंडे की कहानी कहता है, जिसके लिए बलिदान, समर्पण और त्याग ही जीवन के सर्वोपरि मूल्य थे। कुछ ऐसे ही संवादों से नाटक गुंडा ने लोगों को सोचने पर मजबूर किया। मौका था एनसीजेडसीसी, प्रयागराज में चल रहा राजधानी पटना की चर्चित नाट्य संस्था प्रवीण सांस्कृतिक नाट्योत्सव का जिसका आयोजन 10 दिसंबर से 14 दिसंबर तक होना है। इस कड़ी में नाट्य महोत्सव के पहले दिन बुधवार की शाम जयशंकर प्रसाद की लिखी कहानी का नाट्य रूपांतरण अभिजीत चक्रवर्ती ने किया जबकि निर्देशन विज्येंद्र टांक ने किया। नाटक का उद्घाटन दीप जलाकर सुदेश शर्मा, निदेशक एनसीजेडसीसी के कर कमलों द्वारा किया गया,एवं अतिथि के रूप में वरिष्ठ रंगकर्मी अतुल यदुवंशी, आलोक नयर के साथ नाट्य समीक्षक आलोक पड्डकर मौजूद थे।बाबू नन्हकू सिंह, जिन्होंने निर्धनों, अनाथों और जरूरतमंदों पर अपना धन लुटा दिया, कई कन्याओं का विवाह करवाया और अनेक विधवाओं की सहायता की। लोग उसी बाबू नन्हकू सिंह को गुंडा के नाम से बुलाते थे, जिसे नौटंकी और शराब की भट्ठी का बड़ा शौक था।उन्हें दुलारी बाई—एक प्रसिद्ध नर्तकी—के गीत सुनना बहुत पसंद था। वह अक्सर तमोली की दुकान पर बैठी रहती थी। दुलारी बाई का शरीर उन्होंने कभी नहीं छुआ; मलूकी उनके साथ परछाई की तरह रहती थी। चिलम पीना, कसरत करना और ऐसा ही दिन भर की दिनचर्या में मग्न रहना उनकी आदत थी। कुबरा मौलवी, जो अंग्रेजों के संरक्षण में था, शहरभर में हो रहे अपराधों पर नजर रखता और उनका इंतजार करता था। सन 1781 में काशी डॉक्टर डॉल आंदोलन शुरू हुआ। काशी नरेश चैट सिंह को उनकी माता पन्ना सहित कैद कर लिया गया। अंततः बाबू नन्हकू सिंह, काशी के यही गुंडा, अकेले ही अंग्रेजों से लड़ने के लिए निकल पड़ते हैं।

12 दिसंबर से हर जिले में पहुँचेगी सरकार, रैयतों की समस्याओं का होगा मौके पर समाधान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की समीक्षा बैठक में उपमुख्यमंत्री सह राजस्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने पूरे राज्य में चल रहे राजस्व महाअभियान की प्रगति का विस्तृत आकलन किया। बैठक में विभाग के प्रधान सचिव सीके अनिल सहित शीर्ष अधिकारियों की मौजूदगी में मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का मूल लक्ष्य बिहार की जमाबंदी को पूरी तरह अपडेट करना और रैयतों की जमीन से जुड़े हर प्रकार के लंबित मामलों को प्राथमिकता के साथ सुलझाना है। अभियान के दौरान पूरे राज्य में पंचायत स्तर पर लगाए गए शिविरों में रैयतों से 46 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए—जिसमें उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण, डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटि सुधार और पुराने रिकॉर्ड को ऑनलाइन करने जैसी बड़ी समस्याएँ शामिल हैं। इनमें से 15 लाख आवेदनों की अपलोडिंग पहले ही पूरी की जा चुकी है, जबकि शेष आवेदन 31 दिसंबर तक पूरी तरह अपलोड कर दिए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है और विभाग तेजी से इस दिशा में काम कर रहा है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि जनवरी से मार्च के बीच फिर से पंचायत स्तर पर शिविर लगाए जाएंगे, जहाँ रैयतों के सभी आवेदनों का निष्पादन उसी स्तर पर किया जाएगा, ताकि लोगों को बार–बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। बैठक में एक बड़ी घोषणा करते हुए मंत्री सिन्हा ने बताया कि नई सरकार की नई पहल के रूप में "भूमि सुधार जनकल्याण संवाद" कार्यक्रम की शुरुआत 12 दिसंबर से पटना में की जाएगी। यह कार्यक्रम अगले 100 दिनों में पूरे राज्य के जिलों में आयोजित होगा, जहाँ संबंधित जिलों के रैयतों की समस्याओं को सुनकर वहीं पर समाधान किया जाएगा। संवाद में विभाग के सभी महत्वपूर्ण अधिकारी उपस्थित रहेंगे ताकि हर मुद्दे का तुरंत निस्तारण संभव हो सके। पहला जिला कार्यक्रम 15 दिसंबर को लखीसराय के टाउन हॉल में आयोजित होगा, जबकि शेष जिलों की तिथियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बैठक के दौरान प्रधान सचिव सीके अनिल, सचिव जय सिंह, भू–अभिलेख एवं परिमाप निदेशालय की निदेशक जे प्रियदर्शिनी, चकबंदी निदेशक राकेश कुमार, भूमि अर्जन निदेशक कमलेश कुमार सिंह समेत विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने की विकास योजनाओं की समीक्षा अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 1 अणे मार्ग स्थित 'संकल्प' में प्रगति यात्रा के दौरान घोषित विकास योजनाओं की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। बैठक में प्रगति यात्रा के दौरान 430 योजनाओं की स्वीकृति दी गई थी, जो 22 विभागों से संबंधित हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के दिसंबर एवं 2025 के जनवरी-फरवरी माह में प्रगति यात्रा के दौरान सभी जिलों में विकास कार्यों का निरीक्षण किया था। यात्रा के दौरान लोगों से मिले फीडबैक तथा नई आवश्यकताओं को देखते हुए नई योजनाओं की स्वीकृति दी गई, जिस पर 50 हजार करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। राज्य के सभी क्षेत्रों और सभी वर्गों के विकास के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम किया जा रहा है। लोगों के हित के लिए जो योजनाएं बनाई गई हैं, उन पर पूरी संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। हमलोग चाहते हैं कि बिहार देश के सबसे ज्यादा विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल हो।

सुरक्षित कंटेनरों में ही तैयार हो कीटनाशक घोल, राज्य में सुरक्षित कृषि पद्धतियों को बढ़ावा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार सरकार कृषि क्षेत्र में सुरक्षा, वैज्ञानिकता और पर्यावरण संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने राज्य भर में कीटनाशक घोल तैयार करने हेतु मानक एवं स्वीकृत कंटेनरों के उपयोग को अनिवार्य बताया है। मंत्री ने कहा कि किसानों की सुरक्षा और बेहतर उत्पादन के लिए यह जरूरी है कि कीटनाशकों को उन्हीं बोतलों में तैयार किया जाए जो सुरक्षा मानकों के अनुरूप बनाई जाती हैं। इन विशेष कंटेनरों में रसायनों के सुरक्षित भंडारण, उपयोग तथा निपटान की बेहतर व्यवस्था होती है, जिससे पर्यावरण तथा मानव स्वास्थ्य दोनों सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा स्वीकृत पैकेजिंग और कंटेनरों के उपयोग से कीटनाशक विषाक्तता के जोखिम में कमी आती है। पौधों, जलस्रोतों और मिट्टी की सुरक्षा सुनिश्चित होती है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों का बेहतर पालन होता है। किसानों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संरक्षण होता है। उन्होंने सभी पेस्ट कंट्रोल एजेंसियों एवं संबंधित व्यक्तियों से आग्रह किया कि कीटनाशक तैयार करने और उपयोग करने में मानक प्रोटोकॉल का कठोर पालन करें। बिहार सरकार की प्राथमिकता है कि खेतों से लेकर घरों तक, हर कदम पर सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। मंत्री ने आम नागरिकों तथा किसानों से भी सहयोग की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि यदि कहीं भी अनुचित या असुरक्षित कंटेनरों में कीटनाशक घोल तैयार होते दिखें, तो उसकी सूचना जिला कृषि कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी या सहायक निदेशक (पौधा संरक्षण) को तुरंत दें। नागरिकों का यह योगदान जन-स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण होगा। कृषि मंत्री ने कहा कि बिहार सरकार कृषि क्षेत्र में वैज्ञानिक, सुरक्षित और आधुनिक पद्धतियों के प्रोत्साहन के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसानों की सुरक्षा और पर्यावरण की रक्षा के लिए इस अभियान को निरंतर आगे बढ़ाया जाएगा।

» किसानों की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता- राम कृपाल यादव

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में 46 ट्रांसमिशन परियोजनाओं की समीक्षा, देरी पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड (BSPHCL) के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह (आईएएस) ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से केंद्र व राज्य सरकार द्वारा वित्तपोषित 46 ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में बीएसपीटीसीएल के एमडी राहुल कुमार (आईएएस) सहित सभी कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। सीएमडी ने भूमि अधिग्रहण, राइट ऑफ वे (ROW) और कार्य प्रगति को तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री की 'प्रगति यात्रा' में घोषित 10 ग्रिड स्टेशनों को प्राथमिकता से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने पीएमसीएच ग्रिड स्टेशन को निर्धारित समय में तैयार करने पर विशेष जोर दिया। मनोज कुमार सिंह ने चेतावनी दी कि परियोजना में देरी या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित एजेंसियों पर जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। बैठक में ट्रांसमिशन परियोजनाओं की बाधाओं के समाधान, केंद्र व राज्य योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया गया। BSPHCL ने राज्य में विश्वसनीय विद्युत अवसंरचना विकसित करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

विपक्ष का टूटा भ्रमजाल, बिहार में रिकॉर्ड रोजगार, घटती गरीबी और बढ़ता उद्योग : निहोरा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। जदयू के प्रदेश प्रवक्ता डॉ निहोरा प्रसाद यादव ने सोशल संवाद करते हुए कहा कि बिहार की जनता ने वर्ष 2025 के लिए जो प्रचंड जनादेश देकर पुनः मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनायी है, उसके लिए हम हृदय से धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हैं। यह जनादेश बिहार की विकास यात्रा पर जनता के विश्वास का प्रतीक है। चुनाव अभियान में विपक्ष ने चार प्रमुख मुद्दों-पलायन, बेरोजगारी, गरीबी और उद्योग-को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया। जातीय सर्वेक्षण के आधिकारिक आँकड़ों के अनुसार बिहार से लगभग 54 लाख लोग राज्य के बाहर रहते हैं, जिनमें से करीब 45 लाख लोग बाहर कार्यरत हैं। इसके विपरीत विपक्ष द्वारा 2 करोड़ 9 लाख के पलायन का झूठा दावा किया गया, जो केवल ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत उन नामों का आंकड़ा था, जिनमें बड़ी संख्या में वे लोग भी शामिल हैं जो बिहार में ही रहकर काम करते हैं। बेरोजगारी को लेकर भी विपक्ष ने भ्रामक बयानबाजी की, जबकि सच्चाई यह है कि बिहार में लगातार रोजगार के अवसर बढ़े हैं। सरकार के वादे से भी आगे बढ़ते हुए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी और 40 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया है-कुल 50 लाख से अधिक अवसर, जो अपने आप में उल्लेखनीय उपलब्धि है। इससे राज्य में बेरोजगारी दर में स्पष्ट गिरावट आई है और नए आंकड़ों में यह और कम दिखाई देगा। गरीबी को लेकर भी विपक्ष ने आरोप लगाए, जबकि सामाजिक-आर्थिक स्थिति के सूचकांकों के मुताबिक बिहार में गरीबी में भारी कमी आई है। वर्ष 2005 में जहाँ गरीबी 54.40% थी, वहीं लगातार किए गए विकास कार्यों के परिणामस्वरूप यह घटकर 33.76% रह गई है। यह आंकड़ा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व का प्रमाण है।

वंदे मातरम् पर संसद में चर्चा कराकर सरकार ने राष्ट्रप्रेम के प्रति जनता को किया प्रेरित : नंदकिशोर

नई सोच एक्सप्रेस

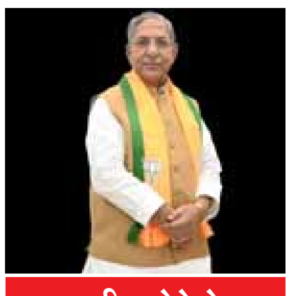

» राष्ट्रगीत होने के साथ-साथ स्वतंत्रता आंदोलन का जयघोष था वंदे मातरम्

पटना।भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं बिहार विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष श्री नंदकिशोर यादव ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार देश की समस्त जनता के भीतर राष्ट्रप्रेम का ज्योत जला रही है। श्री यादव ने आज यहां कहा कि सरकार ने संसद के दोनों सदनों में वंदे मातरम् पर चर्चा कराकर देश के लोगों में राष्ट्रप्रेम का संचार कर दिया है। संसद में वंदे मातरम् पर चर्चा से देश की जनता में स्वतंत्रता संग्राम की यादें ताजा हो गयीं। श्री यादव ने कहा कि वंदे मातरम् एक राष्ट्रगीत होने के साथ-साथ आजादी की लड़ाई में एक जयघोष भी था। इसने देश की आजादी के लड़ाई को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी। इस गीत ने भारतीयों को त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था। इसलिए जब इस राष्ट्र गीत के 150 साल पूरे हो गये तब सरकार और हर भारतवासी का यह परम कर्तव्य होता है कि वंदे मातरम् का पुण्य स्मरण किया जाये। मोदी सरकार ने संसद में वंदे मातरम् पर चर्चा कराकर अपना परम कर्तव्य का निर्वहन किया है। इस चर्चा से युवा पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम में वंदे मातरम् के अमूल्य योगदान की जानकारी मिलेगी और वे राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित होंगे

घुसपैठियों के वोट से सत्ता हासिल करना चाहती है कांग्रेस : प्रभाकर मिश्र

नई सोच एक्सप्रेस

» घुसपैठियों को मतदान से दूर रखने की सराहनीय पहल है एसआईआर
» तुष्टीकरण की राजनीति ने देश का किया नुकसान

पटना।भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र ने कांग्रेस पर जोरदार प्रहार करते हुए कहा कि कांग्रेस ने तुष्टीकरण की नीति अपनाकर देश का काफी नुकसान किया। कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दलों की ओर से एसआईआर का विरोध किया जाना तुष्टीकरण की राजनीति का ही एक हिस्सा है। श्री मिश्र ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि कांग्रेस घुसपैठियों के वोट से सत्ता हासिल करना चाहती है। लेकिन, कांग्रेस का मंसूबा कभी पूरा नहीं होनेवाला। घुसपैठियों को न तो वोट देने दिया जाएगा और न ही भारत में रहने दिया जाएगा। केंद्र की एनडीए सरकार एक- एक घुसपैठिए को भारत की जमीन से हटाकर दम लेगी। श्री मिश्र ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने भारत में प्रवेश के लिए घुसपैठियों को खुली छूट दे दी थी। यही कारण है की देश में बांग्लादेशी और दूसरे घुसपैठियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हुई। उन्होंने कहा कि देश में मुस्लिम वोटरों की संख्या में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इनमें 15 फीसदी मुस्लिम बांग्लादेशी हैं। पश्चिम बंगाल के 24 परगना में मुस्लिम आबादी वर्तमान में 33 प्रतिशत है, जो 1940 में 9 प्रतिशत थी। इस बेतहाशा वृद्धि का कारण कुछ और नहीं, बल्कि बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। इन्हीं बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट से पश्चिम बंगाल में ममता दीदी चुनाव जीतना चाहती हैं। यही वजह है कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस और दूसरे विपक्षी दल एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। श्री मिश्र ने कहा कि घुसपैठियों को मतदान से दूर रखने की एसआईआर एक सराहनीय पहल है। इसके लिए निर्वाचन आयोग प्रशंसा का पात्र है।

ड्रोन तकनीक से किसान पा रहे हैं सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि की नई ताकत : रामकृपाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। कृषि मंत्री राम कृपाल यादव ने कहा कि आज बिहार का किसान सिर्फ खेत नहीं जोत रहा, बल्कि तकनीक की ताकत से भविष्य की खेती गढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का संकल्प है कि खेती को आधुनिक, वैज्ञानिक और टिकाऊ बनाया जाए, ताकि किसान भाई-बहनों का परिश्रम अधिक लाभ में बदल सके। उन्होंने बताया कि रोपण, सिंचाई, कटाई और ग्रेडिंग जैसे कार्यों में मशीनों के बढ़ते उपयोग ने न केवल उत्पादकता बढ़ाई है, बल्कि किसानों को मेहनत का सही प्रतिफल भी दिलाया है। आज आधुनिक उपकरणों और वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ खेतों तक पहुंचने से बिहार की कृषि नई ऊर्जा और नई दिशा के साथ आगे बढ़ रही है। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह संकल्प है कि हमारे किसानों के हाथ मजबूत हों,उनकी मेहनत सुरक्षित रहे और उनकी फसलें बीमारियों से बची रहें इसी सोच के साथ ड्रोन तकनीक को खेतों तक पहुँचाया जा रहा है।ड्रोन आधारित छिड़काव से निर्धारित मात्रा में पौध संरक्षण रसायनों और उर्वरकों का सटीक, समान और सुरक्षित छिड़काव होता है। इससे पानी, समय और श्रम की बचत होती है तथा फसलें स्वस्थ एवं नुकसान से दूर रहती हैं। उन्होंने कहा कि यह तकनीक किसानों को कृषि को व्यवसायिक एवं परिशुद्धता के साथ संचालित करने की शक्ति दे रही है।कृषि विभाग द्वारा कृषि ड्रोन से कीटनाशी एवं तरल उर्वरक छिड़काव योजना राज्य के 38 जिलों में तेजी से लागू की गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल मार्गदर्शन में राज्य की कृषि एवं किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति के लिए चार कृषि रोड मैप बनाए गए हैं। जिसके परिणामस्वरूप राज्य का काफी विकास हुआ है। वर्तमान में चतुर्थ कृषि रोड मैप के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 56,050 एकड़ क्षेत्र में ड्रोन से छिड़काव का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे तकनीक का लाभ सीधे खेतों तक पहुंच रहा है।योजना के अनुसार किसानों को निर्धारित छिड़काव शुल्क का 50% अथवा ?210 प्रति एकड़ तक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। एक किसान अधिकतम 15 एकड़ एवं दो बार ड्रोन छिड़काव का लाभ ले सकता है। निविदा के माध्यम से चयनित चार अनुभवी ड्रोन सेवा प्रदाता किसानों की सेवा के लिए मैदान में तैनात हैं। कृषि मंत्री ने कहा हम चाहते हैं कि हमारा किसान तकनीक से जुड़कर और भी मजबूत बने, खेती और भी सुरक्षित हो, और उसके परिवार के जीवन में खुशहाली आए। ड्रोन की यह उड़ान, किसान की तरक्की की उड़ान है।उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बिहार में ड्रोन तकनीक का विस्तार किसानों की समृद्धि, खेती की सुरक्षा और कृषि के आधुनिकीकरण का नया अध्याय लिखेगा।

बिहार में पहली बार ईवीएम से होगा पंचायत चुनाव

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार में पंचायत चुनाव के सभी पदों पर पहली बार ईवीएम से वोट कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। वोटर इस बार सभी पदों के लिए ईवीएम का बटन दबाकर अपना जनप्रतिनिधि चुनेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने बिहार सरकार से ईवीएम खरीदे जाने की अनुमति मांगी है। राज्य सरकार की हरी झंडी मिलने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग ईवीएम खरीदने की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। पंचायत चुनाव ईवीएम से कराने के लिए राज्य निर्वाचन आयोग लगभग 32 हजार से अधिक ईवीएम खरीदेगी। ईवीएम खरीदने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। इसे खरीदने के लिए राज्य सरकार से अनुमति मांगी गई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने खरीदारी को लेकर पंचायती राज विभाग को पत्र लिखा है। पंचायती राज विभाग के हरी झंडी के साथ ही ईवीएम खरीदने की प्रक्रिया आगे बढ़ जाएगी। पंचायत चुनाव ईवीएम से कराने पर खर्च बढ़ना तय है। राज्य निर्वाचन आयोग पारदर्शिता और तेज परिणाम के लिए 200 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करेगी। मौजूदा वक्त में राज्य निर्वाचन को 200 करोड़ रुपए खर्च करने की अनुमति दी गई है। बिहार मंत्रिपरिषद की ओर से राशि ट्रांसफर और खर्च करने की अनुमित दे दी गई है।पंचायत चुनाव 2021 से यह चुनाव बिल्कुल अलग होगा। राज्य निर्वाचन आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक, इस बार का चुनाव ज्यादा पारदर्शी होगा, क्योंकि इस चुनाव में तकनीक का इस्तेमाल होगा। रियल टाइम रिपोर्टिंग की व्यवस्था होगी। इसके साथ ही कम चरण में मतदान कराने की कोशिश होगी।इस चुनाव के दौरान एक बार फिर से पद का आरक्षण रोस्टर बदल जाएगा। नए रोस्टर से चुनाव कराए जाएंगे। आयोग ने नए सिरे से परिसीमन का निर्धारण शुरू कर दिया है। मौजूदा आरक्षित सीट को परिवर्तन किया जाएगा।उदाहरण के लिए यदि कोई सीट सामान्य होगा तो अब वह आरक्षण में बदल जाएगा। वहीं, कोई सीट ओबीसी आरक्षण है तो इस बार वह रोस्टर या फिर एससी पद के लिए बदल जाएगा। पंचायत चुनाव 2026 लेटेस्ट ईवीएम ण्म3 से कराया जाएगा। मार्क-3 ईवीएम में 24 बैलेट यूनिट और 384 प्रत्याशियों की जानकारी रखी जा सकती है। लिहाजा इसे इस्तेमाल किया जायेगा। मतदान के दौरान 1 कंट्रोल यूनिट और छह पदों के लिए छह बैलेट यूनिट कनेक्ट होगा।

संक्षिप्त समाचार

छात्राओं ने विश्व मानवाधिकार दिवस पर मानव श्रृंखला बनाकर समानता, स्वतंत्रता और अधिकार का संदेश दिया

पटना।जे. डी. वीमेंस कॉलेज के प्रांगण में इतिहास विभाग की ओर से विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला बनाकर समानता, स्वतंत्रता और अधिकार का संदेश दिया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ मीरा कुमारी एवं इतिहास विभाग की विभागाध्यक्षा प्रो. सुमिता सिंह और वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो. कुमकुम कुमारी , डॉ. लक्ष्मी कुमारी , पल्लवी निशा एवं डॉ. कविता लखैयार ने स्नातकोत्तर इतिहास की प्रथम सत्र तथा स्नातक तृतीय सत्र की छात्राओं के साथ मानव श्रृंखला बनाकर उन्हें मानव अधिकार के प्रति जागरूक किया । प्राचार्या डॉ मीरा कुमारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर नागरिक को अपने जन्मसिद्ध अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए । छात्राओं ने उत्साह से इस कार्यक्रम में भाग लिया और पोस्टर तथा नारे लगाकर अपने मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता का प्रदर्शन किया ।

गांव सुरा पहुंचकर गुरदेव सिंह सूरा की माता की रस्म पगड़ी में पहुंचे गोपाल मेहरा

कुरुक्षेत्र।आम आदमी पार्टी कुरुक्षेत्र से पूर्व लेबर विंग जिला अध्यक्ष गोपाल मेहरा ने कहा कि विधानसभा लाडवा के गांव सुरा में पहुंचकर गुरदेव सिंह सुरा की माता की रस्म पगड़ी में पहुंच कर शामिल हुए और उन्होंने कहा है कि बड़े दुख की बात है कि गुरदेव सिंह सुरा जी की माता जी का निधन 29 नवंबर को हो गया था उनकी आत्मा जी के लिए प्रार्थना करते हैं ओम शांति ओम और गोपाल मेहरा ने ये भी कहा है कि गुरदेव सिंह सुरा जी ने 2019 में आम आदमी पार्टी से लाडवा विधानसभा से चुनाव लड़ा था और रस्म पगड़ी में शामिल हुए हमारी पार्टी कुरुक्षेत्र पूर्व लेबर विंग जिला अध्यक्ष गोपाल मेहरा गुरदेव सिंह सूरा जगदीप कौर अमरीक सिंह बकाली दीपक प्रभाकर यह सभी शामिल हुए

बिहार सीनियर ताइक्वांडो टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

पटना। आगामी 12 से 14 दिसंबर तक हैदराबाद के जीएमसी बालयोगी इंडोर स्टेडियम में आयोजित होने वाली 41वीं राष्ट्रीय सीनियर क्योरूगी एवं 14वीं पूमसे ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए बिहार टीम रवाना हो गई है। यह जानकारी बिहार ताइक्वांडो संघ के महासचिव राजेश कुमार साहू ने दी। टीम को बिहार ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष शशिवाला बदानी, उपाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, अरुण कुमार, संयुक्त सचिव समता राही,नंदू कुमार, कोषाध्यक्ष मनीष चंद्र राय, कार्यकारिणी सदस्य कमल कुमार पटेल, धर्मेंद्र कुमार समेत बिहार ताइक्वांडो संघ के पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

15 दिसंबर तक इंडिगो की कुछ उड़ाने रहेंगी रद्द

यात्रियों को अधूरी जानकारी मिलने से हुई समस्या

पटना। पटना एयरपोर्ट पर पिछले कुछ दिनों से इंडिगो की कई उड़ानें रद्द होने के बाद यात्रियों को काफी परेशानी हो रही है। बुधवार को एयरपोर्ट निदेशक सी.पी. द्विवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 15 दिसंबर तक कुछ उड़ानों को तकनीकी कारणों से रद्द रखा जाएगा, लेकिन स्थिति अब काफी हद तक सामान्य हो चुकी है।निदेशक द्विवेदी ने बताया कि यह समस्या केवल पटना तक सीमित नहीं थी, बल्कि इंडिगो के स्तर पर देशभर में कुछ विमानों में तकनीकी दिक्कतें सामने आई थीं। इसे ध्यान में रखते हुए इंडिगो ने कई स्थानों पर उड़ानें अस्थायी रूप से कम कर दी थीं। उन्होंने कहा कि इंडिगो का मामला ऑल इंडिया का था। कुछ विमान तकनीकी समस्या के कारण उड़ान के लिए अनुपलब्ध थे। पटना में इंडिगो टीम ने तुरंत कदम उठाए और स्थानीय स्तर पर समस्या को दूर कर लिया है।पटना एयरपोर्ट पर इंडिगो की रोजाना 40 से 50 उड़ानें आवागमन करती थीं, लेकिन पिछले कुछ दिनों में इनकी संख्या घटी है। निदेशक के अनुसार, अब उड़ानों की बहाली प्रक्रिया शुरू हो गई है और अधिकांश संचालन सामान्य हो चुका है।द्विवेदी ने बताया कि प्रभावित यात्रियों की दिक्कतों को प्राथमिकता पर दूर किया गया। यात्रियों को हर संभव सहयोग दिया गया है। सभी जरूरी जानकारी ट्विटर हैंडल पर अपडेट की जा रही है, ताकि किसी को गलत या अधूरी सूचना न मिले। उन्होंने यह भी कहा कि कितने यात्रियों तक समय पर सही जानकारी नहीं पहुंची, इसका एयरपोर्ट प्रशासन ने समीक्षा किया है और इस कमी को सुधार लिया गया है। अचानक उड़ानें रद्द होने से यात्रियों को परेशानी न हो, इसके लिए एयरपोर्ट पर रेलवे का हेल्प डेस्क भी उपलब्ध कराया गया। इससे उन यात्रियों को विकल्प उपलब्ध कराया गया, जिन्हें तत्काल यात्रा करनी थी।

रेल ट्रैफिक रोके बिना स्टेशनों का बड़े पैमाने पर रीडेवलपमेंट : रेल मंत्री

पटना। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि भारत बिना ट्रैफिक रोके बड़े पैमाने पर स्टेशन रीडेवलपमेंट करने वाला दुनिया के गिने-चुने देशों में है। भारी पैसेंजर मूवमेंट के बावजूद देशभर में स्टेशन अपग्रेडेशन तेज़ी से चल रहा है और ट्रेन संचालन में कोई बाधा नहीं आने दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अमृत भारत स्टेशन स्कीम के तहत 60,000 करोड़ रुपये से अधिक निवेश में 1,300 से ज़्यादा स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है, जिनमें से 160 स्टेशन पहले ही रीडेवलप किए जा चुके हैं। मंत्री के अनुसार सुरक्षित, फेज़्ड और सटीक इंजीनियरिंग के साथ काम किया जा रहा है, जिससे स्टेशन वर्ल्ड-क्लास ट्रांज़िट हब के रूप में विकसित हो सकें। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 103 स्टेशनों के एक और बैच का रीडेवलपमेंट शुरू किया, जो मॉडर्न रेल इंफ्रास्ट्रक्चर की दिशा में बड़ा कदम है।

अग्निपीड़ित परिवार से मिल विधायक ने जताई संवेदना

नवादा। नवादा जिले के कौआकोल थाने के जोगाचक गांव स्थित खलिहान में बुधवार को रखे एक दर्जन से अधिक किसानों के धान की पूंज में आग लग जाने से लाखों रुपये का धान बिचाली सहित जलकर राख हो गया। इस आगजनी की घटना के बाद स्थानीय विधायक बिनीता मेहता ने बुधवार को जोगाचक गांव पहुंचकर पीड़ित परिवारों से मुलाक़ात की तथा लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। इस दौरान वहां मौजूद राजस्व अधिकारी अनीश कुमार को हुए क्षति का जायजा लेते हुए अविलम्ब प्रशासनिक स्तर से सहायता राशि उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मौके पर जिला पार्षद सह भाजपा नेता अजित यादव,रालोमो के वरिष्ठ नेता विनय मेहता सहित दर्जनों एनडीए समर्थित कार्यकर्ता मौजूद थे। भाजपा नेता अजीत यादव ने कहा कि शीघ्र ही सहायता राशि भुगतान कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार पीड़ितों की सहायता के लिए सदा तत्तपर रहती है।

पटना में सड़क किनारे युवक का शव मिलने से सनसनी, पीट-पीटकर हत्या की आशंका

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहटा थाना क्षेत्र के मौलिनगर स्थित चुनौटी कुआं के पास सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान नारायणपुर गांव निवासी जितेंद्र कुमार उर्फ माखों (चंदेश्वर राय के पुत्र) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों की सूचना पर बिहटा थाना की पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुँची। शव को देखकर पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर पीट-पीटकर हत्या किए जाने की आशंका जताई है, क्योंकि मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के गंभीर निशान पाए गए हैं जो किसी संघर्ष या हिंसा की ओर इशारा करते हैं। इस घटना ने क्षेत्र में दहशत फैला दी है और कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जितेंद्र कुमार मंगलवार शाम को बहपुरा जाने की बात कहकर घर से निकले थे, लेकिन रात भर वापस नहीं लौटे। बुधवार सुबह जब परिजनों को शव मिलने की सूचना मिली, तो परिवार में मातम छा गया। मृतक के भतीजे सोनू कुमार ने बताया कि जितेंद्र कभी बिना बताए बाहर नहीं रुकते थे। घटनास्थल पर पहुँचे परिजनों ने पुलिस के सामने सोची-समझी साजिश के तहत हत्या का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि युवक को बुरी तरह पीटने के बाद शव को सड़क किनारे फेंक दिया गया। वहीं, बिहटा थाना के दरोगा नीतीश कुमार ने बताया कि मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए बिहटा पुलिस ने तुरंत पटना एफएसएल (फोरेंसिक साइंस लैब) की टीम को जांच के लिए बुलाया। एफएसएल टीम ने मौके पर पहुँचकर बारीकी से छानबीन की, जिसमें मिट्टी के नमूने, संभावित खून के धब्बे और आसपास के साक्ष्यों की तस्वीरें ली गईं। पुलिस ने आशंका जताई है कि युवक की मौत मंगलवार देर शाम या रात के समय हुई होगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वे पोस्टमार्टम और फोरेंसिक रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं ताकि हत्या की गुत्थी सुलझाई जा सके और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जा सके।

फतुहा में बनेगी फिनटेक सिटी, 9 हजार युवाओं को रोजगार : शोभा पटेल

नई सोच एक्सप्रेस

फतुहा। भाजपा नेत्री शोभा पटेल ने कहा है कि फतुहा में गुजरात मॉडल पर 242 एकड़ में आधुनिक फिनटेक सिटी विकसित की जाएगी, जिसके निर्माण पर लगभग 1,000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जमीन अधिग्रहण पर ही 408 करोड़ रुपये की लागत आने की संभावना है। फिनटेक सिटी में बैंकिंग, बीमा, एकाउंट, कंप्यूटर, आईटी समेत 400 से अधिक कंपनियां स्थापित होंगी, जिससे करीब 9 हजार युवाओं को रोजगार मिलेगा। उन्होंने बताया कि इस सिटी के विकास में दुबई के डीआईएफसी, लंदन के कैनरी व्हार्फ और सिंगापुर के मरीना बे जैसे अंतरराष्ट्रीय मॉडल अपनाए जाएंगे। इससे वैश्विक स्तर की बैंकिंग, शेयर मार्केटिंग और आईटी सुविधाएँ बिहार में उपलब्ध होंगी। राज्य उद्योग विभाग एप्पल, डेल, माइक्रोसॉफ्ट, ओरेकल समेत कई वैश्विक कंपनियों से संपर्क कर रहा है। डॉ. लक्ष्मी नारायण सिंह पटेल ने कहा कि परियोजना शुरू होना स्वागतयोग्य है, लेकिन इसे लंबे समय तक सुचारू रूप से चलाने के लिए चुनौतियों पर गंभीरता से काम करना होगा। पूर्व में फतुहा की कई फैक्ट्रियाँ और राज्य की चीनी मिलें बंद हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि नई इकाइयाँ हड़ताल, खर्च वृद्धि और संचालन संबंधी समस्याओं से न जूझें, इसके लिए मजबूत नीतिगत कदम जरूरी होंगे।

दंत चिकित्सा जागरूकता शिविर को जन-जन तक पहुंचाने का है लक्ष्य : डॉ .उदय शंकर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।दांत रोग के विशेषज्ञ डॉ उदय शंकर लगातार पिछले 11 वर्षों से 500 से अधिक दंत चिकित्सा जागरूकता शिविर का आयोजन कर चुके हैं । डॉ. उदय लखीसराय ,मुंगेर, बेगूसराय, खगड़िया, भागलपुर, जमुई ,बांका, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया ,मधेपुरा इत्यादि जिला में दंत चिकित्सा जागरूकता शिविर होने के उपरांत बिहार के 38 जिला में शिविर का आयोजन करने का संकल्प लिया है। इसी क्रम में राधा डेंटल केयर मुंगेर की ओर से दंत चिकित्सका जागरूकता शिविर का आयोजन मध्य विद्यालय, हेमजापुर चंद्र टोला में किया गया । इस शिविर में डॉ .उदय ने ,दो बार ब्रश करने की सलाह, ब्रश करने के तरीके के बारे में जानकारी दिए साथ ही अल्ट्रा सॉफ्ट ब्रश इस्तेमाल करने की सलाह दिया। वहीं दातुन या खुरदुरा मंजन, गुल , किसी भी प्रकार के रुखड़े चीजों से दांतों की सफाई नहीं करने की सलाह दिया। इस मौके पर उहोंने दूध के दांत के महत्व , पारिया रोग, मुंह के कैंसर से पहले के लक्षण एवं रोकथाम की जानकारी दिया। मौके पर शिक्षक सौरभ कुमार, ओम प्रकाश, प्रवीण कुमार आदि मौजूद थे।

» 500 से अधिक दंत चिकित्सा जागरूकता शिविर का आयोजन कर चुके हैं

खेल से शारीरिक और मानसिक विकास के साथ अपनी प्रतिभा से कर सकते हैं सूबे का नाम रौशन

नई सोच एक्सप्रेस

पुनपुन।मखदुमपुर के श्री लाल बहादुर राजकीय विद्यालय के मैदान में सरदार पटेल क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ फुलवारी के विधायक श्याम रजक और एमएलसी रविंद्र सिंह द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। जयंती पर प्रतीक के रूप में मैदान में कबूतर को उड़ा कर सरदार पटेल को नमन किया गया। इस दौरान लोगों को संबोधित करते हुए विधायक सह पूर्व मंत्री श्याम रजक ने कहा कि खेल से शारीरिक और मानसिक विकास होता है। खेल के जरिए अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं। जिससे राज्य का नाम रौशन होगा। ग्रामीण स्तर पर इस तरह का आयोजन सराहनीय है। टूर्नामेंट 20 दिसंबर तक है। जिसमें अंडर 12 से 8 टीम, अंडर 16 से 6 टीम और अंडर 19 से 4 टीम के खिलाड़ियों के बीच मैच होगा। बुधवार को पहले दिन अंडर 12 से एसडीभी पटना और हार्डिंग पार्क पटना के टीम के बीच मैच हुआ। जिसमें पहले खेलते हुए एसडीभी की टीम ने 20 ओवर में 162 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए हार्डिंग पार्क की टीम 13.2 ओवर में 59 रन तक ही पहुंच सकी। मौके पर टूर्नामेंट के आयोजक कृष्णा पटेल, अभिषेक पटेल, अंजनी सिंह, ओम सिंह, अनिल कुमार, अनिल सहनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पटना में अवैध अतिक्रमण पर बुलडोजर एक्शन बिहटा में दुकानदार-पुलिस के बीच नोकझोंक

नई सोच एक्सप्रेस

पटना के बिहटा में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ जिला प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। बिहटा नगर परिषद क्षेत्र के डोमनिया पुल बाजार और बिहटा रेलवे स्टेशन रोड पर अवैध रूप से बनी दुकानों को बुलडोजर से हटाया गया। इस दौरान अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह मौके पर मौजूद रहे। यह कार्रवाई बिहार में नई सरकार के गठन के बाद पूरे राज्य में चल रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान का हिस्सा है। पटना हाई कोर्ट के आदेश पर सरकारी जमीन पर अवैध रूप से बने मकानों और दुकानों को ध्वस्त किया जा रहा है।

दुकानदारों और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंकः बुलडोजर कार्रवाई के दौरान स्थानीय दुकानदारों और पुलिस के बीच हल्की नोकझोंक भी हुई। हालांकि, प्रशासन ने स्थिति को संभाला और सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा की गई दुकानों को बलपूर्वक खाली कराया। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई पर मिली-जुली प्रतिक्रिया दी है। कुछ लोगों ने जहां खुशी जताई तो कुछ लोगों ने दुख भी जताया। आम लोगों का कहना है कि अवैध अतिक्रमण के कारण बिहटा में लगातार भीषण जाम की स्थिति बनी रहती थी, जिससे उन्हें काफी परेशानी होती थी।

बाजार के लिए एक वेंडिंग जोन बनाने की मांगः लोगों ने यह भी सुझाव दिया कि स्थानीय प्रशासन को बाजार के लिए एक वेंडिंग जोन की व्यवस्था करनी चाहिए। इससे भविष्य में जाम की समस्या से निजात मिलेगी और दुकानदार भी व्यवस्थित तरीके से अपनी दुकानें लगा सकेंगे।

अगले दो दिनों तक चलती रहेगी क्षेत्र में कार्रवाईः बिहटा अंचलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया, बिहटा में भी पटना डीएम के आदेश पर कार्रवाई की जा रही है। जहां किसी को दिक्कत हो रहा है तो पहले सरकारी अमीन से नापी की जा रही है। जो भी सरकारी जमीन सड़क के किनारे है और उस पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है, उसे ध्वस्त किया जा रहा है। यह कार्रवाई अगले दो दिनों तक चलती रहेगी। इस पूरे क्षेत्र में कार्रवाई होनी है।

पटना आईजीआईएमएस में बेड दिलाने के नाम ठगी, दलाल गिरफ्तार

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (IGIMS) में मरीजों को बेड दिलाने और निजी अस्पतालों में भेजने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। मामले में मंगलवार को पुलिस ने एक दलाल को गिरफ्तार किया गया है, जिसकी पहचान 50 वर्षीय मनोज कुमार शाही के तौर पर हुई है। पुलिस ने इस दलाल को संस्थान के इमरजेंसी वार्ड से पकड़ा गया।

मरीजों को झांसा देकर निजी अस्पताल भेजता था आरोपीः आरोपी मनोज कुमार शाही IGIMS में भर्ती होने आए मरीजों के परिजनों को बहला-फुसलाकर पटना के निजी अस्पतालों में भेजता था। वह इमरजेंसी वार्ड में बेड दिलाने के नाम पर भी मरीजों के परिजनों से पैसे वसूलता था। पुलिस की जांच में यह बात भी सामने आया है कि आरोपी बोरिंग रोड, दीघा आशियाना, बेली रोड, राजाबाजार और पाटलिपुत्र स्थित निजी अस्पतालों में मरीजों को भेजता था। पूछताछ में उसने बताया कि IGIMS का एक सुरक्षाकर्मी भी इसमें शामिल है। दोनों मिलीभगत से मरीजों को बेड दिलाने, जांच कराने और निजी अस्पतालों में भेजने का काम करते थे।

आरोपी विकलांग, रंगेहाथों पकड़ा गया- मेडिकल सुपरिटेंडेंटः IGIMS के मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. मनीष मंडल ने बताया कि आरोपी मनोज विकलांग है, जिस कारण शुरुआत में उस पर संदेह नहीं हुआ। सीसीटीवी फुटेज और मरीजों के परिजनों की शिकायत के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से ठीक पहले मनोज इमरजेंसी वार्ड के बेड नंबर एबी 5 पर भर्ती चंदा चौबे के परिजन शशि भूषण चौबे से पैसे का लेनदेन कर रहा था, तभी उसे रंगेहाथों पकड़ा गया।

तिवारी इंटरप्राइजेज और रॉयल ट्रेडर्स की पहल, लोगों को मिला मुफ्त चिकित्सकीय परामर्श

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।ग्रीन प्लाई के सहयोग से उनके अधिकृत डीलर तिवारी इंटरप्राइजेज एवं रॉयल ट्रेडर्स द्वारा मंगलवार को एक निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन तिवारी इंटरप्राइजेज के संचालक नंदकिशोर तिवारी ने किया। यह स्वास्थ्य जांच शिविर बुधवार को पूर्वाह्न 11:30 बजे से संध्या 5:00 बजे तक होटल एचएम ग्रैंड, श्री नंदन पथ, जेपीएन कॉलेज के समीप छपरा में आयोजित हुआ। शिविर में क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और विभिन्न प्रकार की स्वास्थ्य जांच सेवाओं तथा चिकित्सकीय परामर्श का लाभ उठाया। नन्दकिशोर तिवारी ने कहा कि इस शिविर का मुख्य उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं समय पर स्वास्थ्य जांच के महत्व को समझाना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते रहेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें।

प्रगति यात्रा के दौरान धोषित 46 परियोजनाओं को जल्द करें पूरा : एमडी

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक मनोज कुमार सिंह, बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल कुमार, तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उच्च स्तरीय बैठक में बीएसपीटीसीएल द्वारा क्रियान्वित की जा रही केंद्र एवं राज्य से वित्तपोषित ट्रांसमिशन परियोजनाओं की प्रगति, भूमि अधिग्रहण एवं परियोजनाओं के समयसीमा पर पूरा होने पर विशेष ध्यान दिया। कुल 25 एजेंसियों द्वारा संचालित 46 परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक में सभी कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने-अपने परियोजनाओं की स्थिति से अवगत कराया। समीक्षा के दौरान मनोज कुमार सिंह, आईएएस ने सभी परियोजनाओं को शीघ्रता से पूरा करने की आवश्यकता पर बल देते हुए स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा, कि सभी परियोजनाएँ समानांतर रूप से चलनी चाहिए और उन्हें जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए। भूमि अधिग्रहण या परियोजना क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री की प्रगति यात्रा के दौरान प्रतिबद्ध 10 ग्रिड स्टेशनों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द से जल्द पूरा किया जाए। समीक्षा के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि पीएमसीएच ग्रिड स्टेशन हर हाल में समय पर पूरा हो ताकि अस्पताल एवं आसपास के क्षेत्रों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक ने सभी एजेंसियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि निर्धारित समयसीमा में कार्य पूरा नहीं होने या कार्य की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित कंपनियों पर जुमार्ना, ब्लैकलिस्टिंग सहित कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसमें लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारी भी उत्तरदायी होंगे और उनके विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी। सीएमडी ने बीएसपीटीसीएल तथा सभी कार्यकारी एजेंसियों के बीच सुचारू समन्वय सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया ताकि राज्य की बढ़ती विद्युत मांग को पूरा करने के लिए प्रसारण अवसंरचना समय पर विकसित हो सके। यह व्यापक समीक्षा बिहार की विद्युत ट्रांसमिशन अवसंरचना को मजबूत करने और राज्य में विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के प्रति बीएसपीएचसीएल की प्रतिबद्धता को दशार्ती है। कई परियोजनाओं का एक साथ क्रियान्वयन राज्य की ट्रांसमिशन क्षमता एवं ग्रिड स्थिरता को बढ़ाएगा। बीएसपीटीसीएल, राज्य की प्रमुख प्रसारण इकाई के रूप में, केंद्र एवं राज्य की विभिन्न योजनाओं के तहत बिहार की पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को आधुनिक बनाने की दिशा में लगातार कार्यरत है।

संक्षिप्त समाचार

मैं फास्ट स्ट्रीक्स सुपरफास्ट कैंपेन के ब्रांड एंबेसडर बने जसप्रीत बुमराह

गयाजी।हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट (एचआरआई) के भारत के अग्रणी हेयर कलर और केयर ब्रांड स्ट्रीक्स ने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर के लिए भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी एक ऊर्जावान नए कैंपेन "मैं फास्ट, स्ट्रीक्स सुपरफास्ट" के साथ लॉन्च की जा रही है, जो आत्मविश्वास, गति और सहज स्टाइल का जश्न मनाता है। कैंपेन का नया टीवी विज्ञापन, विचार "मैं फास्ट, स्ट्रीक्स सुपरफास्ट" पर आधारित है, जो इस दर्शन को एक तेज-तर्रार, परफॉर्मेंस-ड्रिवन कहानी के रूप में प्रस्तुत करता है। स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर जिसकी कीमत केवल 15 रूपए से शुरू होती है, शैंपू की तरह लगाने में आसान है और सिर्फ 5 मिनट में बालों को कलर करता है। पश्चिम, उत्तर और पूर्व भारत में मजबूत उपस्थिति के साथ यह ब्रांड हेयर कलरिंग को लोकतांत्रिक बनाने के अपने मिशन पर अग्रसर है। हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट मार्केटिंग, प्रियंका पुरी ने इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "हम स्ट्रीक्स परिवार में जसप्रीत बुमराह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। स्ट्रीक्स हमेशा से सुंदरता, आत्मविश्वास और दैनिक ग्लैमर का प्रतीक रहा है। इस साझेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के स्टार गेंदबाज और गेम-चेंजर जसप्रीत बुमराह, जिनका प्रतिनिधित्व राइज़ वर्ल्डवाइड द्वारा किया जाता है, ने कहा, स्ट्रीक्स के साथ यह सहयोग स्वाभाविक लगा क्योंकि इसका शैंपू हेयर कलर बिल्कुल वही दर्शाता है। मैं फ़ास्ट, स्ट्रीक्स सुपर-फ़ास्ट कैंपेन जल्द ही टेलीविज़न, डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स पर लॉन्च किया जाएगा।

मॉडल कॉलेज राजमहल में विश्व मानवाधिकार दिवस का आयोजन

» हमारे कृत्य से दूसरों के अधिकारों का हनन न होः डॉ. रणजीत

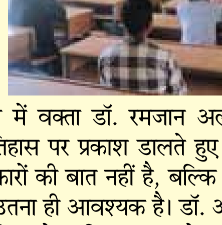

साहिबगंज।मॉडल कॉलेज राजमहल में 'विश्व मानवाधिकार दिवस' बड़े ही गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम की शुरुआत में वक्ता डॉ. रमजान अली ने 'विश्व मानवाधिकार दिवस' के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मानवाधिकार सिर्फ अपने अधिकारों की बात नहीं है, बल्कि दूसरे के अधिकारों का सम्मान करना भी उतना ही आवश्यक है। डॉ. अमित कुमार ने अपने संबोधन में राइट टू डिस्कनेक्ट बिल का उल्लेख करते हुए कहा कि आधुनिक समय में यह विधेयक व्यक्ति की गरिमा और मानसिक स्वतंत्रता की रक्षा करता है। डॉ. विवेक कुमार महतो ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों का बोध होना भी अत्यंत आवश्यक है, तभी समाज में संतुलन और सद्भाव बना रह सकता है। वहीं, अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि मानवाधिकार दिवस केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि प्रतिदिन अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने का संदेश है। हमें किसी की गरिमा को ठेस पहुँचे बिना अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करना चाहिए। आगे उन्होंने कहा कि हमारा संविधान हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान करता है। यह दिवस हमें अपने अधिकारों की रक्षा और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम में अजय सोनी, मोहन सिंह, प्रकाश महतो, कर्मु, बबलू, उषा, स्नेहा, असगर, स्मृति सहित दर्जनों विद्यार्थी उपस्थित थे। अंत में सभी ने मानवाधिकार संरक्षण का संकल्प लिया।

मधुबनी में आधुनिक बस स्टैंड और ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक परियोजना में तेजी, जिलाधिकारी ने किया स्थल निरीक्षण

» डीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश—समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करें

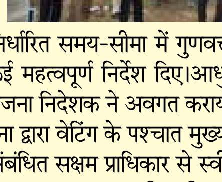

मधुबनी/बिहार।जिलाधिकारी आनंद शर्मा ने बुधवार को मधुबनी जिले में प्रस्तावित आधुनिक बस स्टैंड और नवनिर्मित ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने परियोजना की प्रगति, तकनीकी पहलुओं और निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ कार्य पूर्ण कराने से संबंधित कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।आधुनिक बस स्टैंड के निरीक्षण के समय परियोजना निदेशक ने अवगत कराया कि बस स्टैंड का डिजाइन एनआईटी पटना द्वारा वेटिंग के पश्चात मुख्यालय को स्वीकृति हेतु भेजा जा चुका है। संबंधित सक्षम प्राधिकार से स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। इस पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मुख्यालय से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए शीघ्र स्वीकृति सुनिश्चित की जाए, ताकि कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि निर्माण शुरू होते ही कार्यों को तेजी, पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है।जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि आधुनिक बस स्टैंड के निर्माण से जहां यात्रियों को उन्नत सुविधाएं मिलेंगी, वहीं नगर के यातायात प्रबंधन को भी नई दिशा और मजबूती प्राप्त होगी।इसके बाद जिलाधिकारी ने नवनिर्मित ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्रैक की संरचना, सुरक्षा मानकों और संचालन प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की तथा जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।निरीक्षण के दौरान सहायक निदेशक, सामाजिक सुरक्षा नितेश कुमार पाठक, परियोजना निदेशक, उप-परियोजना निदेशक, संवेदक सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय कायम रखते हुए दोनों परियोजनाओं को समय पर पूर्ण करें, ताकि आम जनता को शीघ्र ही इन महत्वपूर्ण सुविधाओं का लाभ मिल सके।

मौसम विभाग की ओर से शीतलहर का अलर्ट,बादल छाए रहने के कारण बढ़ी ठंढ़

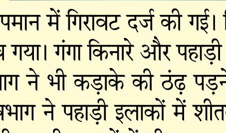

साहिबगंज।जिले में मौसम का मिजाज बदल गया है। प्रखंड मुख्यालय समेत जिले के सभी प्रखंड कड़ाके की ठंढ़ की चपेट में हैं। लगातार चल रही हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई। जिले में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री तक पहुंच गया। गंगा किनारे और पहाड़ी क्षेत्रों में ज्यादा ठंढ़ पड़ रही है। मौसम विभाग ने भी कड़ाके की ठंढ़ पड़ने का अनुमान जताया है। भारतीय मौसम विभाग ने पहाड़ी इलाकों में शीतलहर चलने का अलर्ट जारी किया है। साथ ही पहाड़ी इलाकों में शीतलहर चलने की संभावना जताई है। वहीं, बढ़ती ठंढ़ को देखते हुए मौसम विभाग ने आम जनता के लिए निर्देश जारी किए हैं। मौसम विभाग ने लोगों से बिना गर्म कपड़े पहने घर से न निकलने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने कहा है कि अति आवश्यक काम होने पर ही गर्म कपड़े पहनकर घर से बाहर निकलें। इसके साथ ही अपने आस-पास अलाव जलाए रखें, जिससे ठंढ़ से बचा जा सके। परन्तु धुआं और हानिकारक गैस निकलने के लिए रोशनदान या खिड़की खुली रखना जरूरी है।

सीएम कॉलेज दरभंगा में इतिहास विभाग की संगोष्ठी एवं सम्मान समारोह सम्पन्न

नई सोच एक्सप्रेस

दरभंगा।सीएम कॉलेज के स्नातकोत्तर इतिहास विभाग द्वारा "भारतीय ज्ञान परंपरा में नारी शक्ति की भूमिका" विषय पर संगोष्ठी सह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश कुमार 'विभु' की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर के 150 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की इतिहास टॉपर तुलसी कुमारी को विभाग की ओर से मोमेंटो, पाग व चादर भेंटकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. आर.एन. चौरसिया (एनएसएस कोऑर्डिनेटर, एलएनएमयू) ने भारतीय परंपरा में नारी की भूमिका को आधारशिला बताते हुए कहा कि नारी सृजन, संस्कार और संस्कृति की वाहक है तथा हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। विभागाध्यक्ष डॉ. 'विभु' ने कहा कि शिक्षित और आत्मनिर्भर नारी समाज की प्रगति की अनिवार्य शक्ति है। टॉपर तुलसी कुमारी ने क्लासरूम शिक्षा के महत्व को रेखांकित करते हुए सभी छात्राओं को समर्पित यह सम्मान बताया। कार्यक्रम में विभागीय प्राध्यापक डॉ. मुकेश कुमार रजक व डॉ. अतुल जायसवाल सहित छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार रखे। संगोष्ठी का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

श्रीमद्भागवत कथा लेकर निकला शोभा यात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

सुगौली।7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का आयोजन को लेकर नगर के माई स्थान से शोभा यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ बुधवार को आयोजित भव्य कलश शोभा यात्रा से किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शामिल हुए। कुंवारी कन्याओं ने अपने माथे पर कलश रख जलभरी को निकली।गाजा बाजा, हाथी घोड़ा के साथ जुलुश निकली।भक्ति गीत पर नवयुवको ने जमकर धिरके।भगवान राधा कृष्ण के नारे से पूरा नगर गूंज उठा। शोभा यात्रा नगर के मुख्य बाजार से स्टेशन चौक से मुख्य पथ होते हुए सिकरहना नदी पहुंची। जहां विधि विधान से पूजा अर्चन की गई और सिकरहना नदी से पवित्र जल कलश में भरा गया। प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए कथा स्थल पर पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ कलश स्थापना की गई।आयोजन समिति ने बताया कि पूरे सप्ताह संत लाडले हर्षवर्धन महाराज कथा वाचन करेंगे। वे प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रीमद्भागवत महापुराण के दिव्य प्रसंगों का विस्तृत वर्णन करेंगे। आयोजन स्थल पर आकर्षक पंडाल, मंच सज्जा, विद्युत व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पीने के पानी, पार्किंग और बैठने की समुचित व्यवस्था की गई है। कथा के दौरान भक्तजन भगवान श्रीकृष्ण के बाल-लीला, भक्त प्रह्लाद, ध्रुव चरित्र, गोवर्धन लीला तथा रास पंचाध्यायी सहित कई अध्यात्ममय प्रसंगों का आनंद ले सकेंगे।

सशस्त्र सीमा बल के 62 वर्षों पर 'बॉर्डर यूनिटी रन' का भव्य आयोजन आज

नई सोच एक्सप्रेस

» भारत–नेपाल सीमा पर एक साथ होंगी 74 दौड़ें; केंद्रीय गृह राज्य मंत्री करेंगे शुभारंभ

मधुबनी/बिहार।सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के 62 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 13 दिसंबर 2025 को सीमान्त पटना के कार्यक्षेत्र अंतर्गत भारत–नेपाल सीमा पर "बॉर्डर यूनिटी रन" का आयोजन किया जा रहा है। पश्चिमी चंपारण से अररिया जिले तक लगभग 649 किलोमीटर की सीमा पर तैनात सभी वाहिनियां अपने-अपने क्षेत्र में एक साथ यह दौड़ आयोजित करेंगी। एसएसबी ने सीमावर्ती क्षेत्रों की युवतियों एवं युवाओं को इस दौड़ में व्यापक स्वरूप में शामिल होने का आह्वान किया है। अधिकारियों का मानना है कि युवतियों की सक्रिय सहभागिता महिला सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करेगी और सीमावर्ती इलाकों में सामुदायिक जागरूकता को नई दिशा मिलेगी।कार्यक्रम का मुख्य आयोजन स्थल 47वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, रक्सौल निर्धारित किया गया है। यहां भारत सरकार के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानन्द राय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उनके साथ सांसद डॉ. संजय जायसवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। 'बॉर्डर यूनिटी रन' का औपचारिक शुभारंभ नित्यानन्द राय द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा।इस अवसर पर महानिरीक्षक निशीत कुमार उज्ज्वल (भा.पु.से.), उप-महानिरीक्षक श्री एस. सुब्रह्मण्यम, क्षेत्रक मुख्यालय बेतिया के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे।सीमान्त मुख्यालय के अनुसार भारत–नेपाल सीमा पर कुल 74 विभिन्न स्थानों पर एक साथ दौड़ का आयोजन किया जाएगा। एसएसबी का यह प्रयास सीमा क्षेत्र में एकता, जागरूकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

छात्रों ने जल चक्र, पर्यावरण संरक्षण और आपदाओं पर बनाए अनोखे मॉडल

नई सोच एक्सप्रेस

छपरा।सोनपुर प्रखंड के उच्च माध्यमिक विद्यालय गंगाजल में टीएलएम मेला-3.0 का भव्य आयोजन किया गया। इस मेला में छात्रों ने अपने शिक्षण-सहायक सामग्री के विभिन्न अभिनव और आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए, जिनमें उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा साफ झलक रही थी। प्रतियोगिता में उत्क्रमित मध्य विद्यालय छितरचक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय बबुरबानी और तृतीय स्थान उत्क्रमित मध्य विद्यालय बड़का बगीचा को मिला। इस मेला में उत्क्रमित मध्य विद्यालय बबुरबानी के छात्र-छात्राओं ने विशेष प्रदर्शन किया। निशा कुमारी ने जल चक्र का मॉडल प्रस्तुत किया, वर्तिका कुमारी ने पर्यावरण संरक्षण का टीएलएम बनाया। शुभम कुमार ने व्यंजन वर्ण, करण कुमार ने राज्य और उसकी राजधानी का मॉडल तैयार किया। अधीरा कुमारी ने अंग्रेजी के अल्फाबेट और व्याकरण संबंधी डायरी बनाई। पिंकी कुमारी ने ग्रहों के नाम और विलोम शब्द, सिमरन कुमारी ने सप्ताह के नाम और कृति कुमारी ने बाढ़ जैसी आपदाओं पर आधारित टीएलएम प्रस्तुत किया। विद्यालय और संकुल टीम ने सभी छात्रों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। शिक्षक अजय कुमार राय, डॉ. सारिका कुमारी, अमलेश कुमार सिंह, दिनमणी भूषण, सविता कुमारी, रुकसाना प्रवीण सहित अन्य शिक्षक मौजूद थे।

कोलकाता में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठीः जयनगर के डॉ. शैलेश सिंह "शौर्य" होंगे विशिष्ट वक्ता

नई सोच एक्सप्रेस

» भोजपुरी को आठवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग हुई प्रबल

मधुबनी/बिहार।डी.बी. कॉलेज, जयनगर के वाणिज्य विभागाध्यक्ष एवं रामनरेश सिंह एजुकेशनल फाउंडेशन के महासचिव डॉ. शैलेश कुमार सिंह "शौर्य" 26 दिसंबर 2025 को कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी व भोजपुरी सम्मेलन में विशिष्ट वक्ता के रूप में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम भोजपुरी साहित्य विकास मंच कोलकाता एवं भारतीय भाषा संस्थान पश्चिम बंगाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। डॉ. शैलेश तकनीकी सत्र भोजपुरी परिसंवाद : समग्र विकास में नारी विषय पर अपना वक्तव्य देंगे।इस अवसर पर मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. शैलेश ने कहा कि विश्वभर में 22 करोड़ से अधिक भोजपुरी भाषी लोग रहते हैं, इसके बावजूद भारत में भोजपुरी को अब तक संविधान की आठवी अनुसूची में स्थान नही मिला है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि भोजपुरी भाषा को उसका संवैधानिक अधिकार प्रदान किया जाए, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर भोजपुरी साहित्य और शोध को नई दिशा मिलेगी।कार्यक्रम में लोक साहित्य, भोजपुरी भाषा के संवैधानिक अधिकार, नारी विमर्श तथा उच्च शिक्षा में शोध जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षाविद एवं विद्वान मंथन करेंगे। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में नेपाल के वरिष्ठ साहित्यकार विजय किशोर पांडेय और अध्यक्ष के रूप में भोजपुरी साहित्य के सशक्त हस्ताक्षर डॉ. विमलेश त्रिपाठी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त अमेरिका से मनीषा पाठक, चीन से विवेक मणि त्रिपाठी, नेपाल से डॉ. पूनम झा तथा विभिन्न भारतीय राज्यो से प्रो. नंदिनी साहू, प्रो. एच.के. सिंह, रामबहादुर राय, डॉ. रामानुज द्विवेदी, डॉ. सुधाकर तिवारी सहित कई शिक्षाविद संबोधित करेंगे। बिहार से युवा शिक्षाविद डॉ. जमील हसन अंसारी, डॉ. चंदन कुमार, डॉ. अखिलेश श्रीवास्तव, डॉ. प्रियंका सिंह, गुड्डू गुलशन यदुवंशी, उड़ीसा से सुधांशु बाला साहू एवं झारखंड से आचार्य संजय सिंह चंदन तथा संतोष ओझा प्रभाकर भी अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।मंच के महासचिव प्रकाश प्रियांशु ने बताया कि समारोह में अमेरिका, चीन, नेपाल, मॉरीशस सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, उड़ीसा आदि राज्यों के सैकड़ों शोधार्थी, शिक्षक, साहित्यकार, रंगकर्मी व कलाकार प्रतिभाग करेंगे।

शिक्षकों ने लिया भाग : संकुल स्तरीय निपुण टीएलएम मेला का हुआ भव्य आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

मढ़ौरा (सारण)।प्रखंड के स्थानीय संकुल संसाधन केंद्र उच्च माध्यमिक विद्यालय भावलपुर के प्रांगण में विभागीय निर्देश के आलोक में तथा प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी मढ़ौरा के निर्देशन में संकुल स्तरीय टीएलएम मेला का आयोजन किया गया। जिसका संचालन पवन कुमार भक्त, समन्वयन राजेन्द्र कुमार, प्रबंधन अकबर अली ने किया। संकुलाधीन सभी विद्यालय के शिक्षकों द्वारा स्व-निर्मित टीएलएम का प्रदर्शन किया गया। उत्कृष्ट टीएलएम निर्माण के लिए सम्मानित भी किया गया। जिसमें मुख्य रूप से शिक्षक राजेन्द्र कुमार, मनोज कुमार, कौशल कुमार, नम्रता कुमारी, सुरेश प्रसाद सिंह निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में थे। वहीं टीएलएम प्रस्तुत करने वाले शिक्षकों में श्रेया गर्ग, शैलजा मल्ल, महेन्द्र यादव, प्रेरणा कुमारी, कुन्दन कुमार आदि शिक्षक शिक्षिकाएं शामिल थे। जिन लोगों द्वारा अपना टीएलएम का प्रस्तुति किया गया।

विश्व मानवाधिकार दिवस पर स्वामी सहजानंद सरस्वती कॉलेज में संगोष्ठी का आयोजन किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद।विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर स्वामी सहजानंद सरस्वती कॉलेज में मानवाधिकार जागरूकता विषय पर संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र छात्राएँ, एनएसएस स्वयंसेवक तथा महाविद्यालय परिवार के कई गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। कॉलेज के प्रतिष्ठित शिक्षकगण डॉ. सुजोय मुखोपाध्याय, डॉ. प्रीति रानी एवं रामजीवन पासवान कार्यक्रम में शामिल हुए। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ.अंशु कुमार मल्लिक ने मानवाधिकारों की मूलभूत अवधारणा, उनके विकास क्रम और वैश्विक महत्व पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मानवाधिकार मानव अस्तित्व की न्यूनतम गरिमा का आधार हैं और समानता, स्वतंत्रता तथा न्याय तभी संभव है जब समाज इन अधिकारों के प्रति संवेदनशील एवं जागरूक हो। डॉ.मल्लिक ने भारतीय संविधान में निहित मौलिक अधिकारों, संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा तथा मानवाधिकार संरक्षण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए मानवाधिकारों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। अंत में कॉलेज प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों का आभार जताते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम से छात्रों में संवैधानिक मूल्यों के प्रति सजगता बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी और विधायक ने ज़रूरतमंदों के बीच कम्बल का वितरण किया गया

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद।समाज कल्याण विभाग अंतर्गत वस्त्र वितरण कार्यक्रम के तहत काको प्रखंड के एनवां गाँव के उत्क्रमित उच्च विद्यालय में घोषी विधायक ऋतुराज कुमार और जिलाधिकारी अलंकृता पांडेय ने ठंड से बचाव हेतु 96 निर्धन दिव्यांग एवं वृद्धजनों के बीच कम्बल का वितरण किया। वितरण का लाभ विशेषकर जरूरतमंद महादलित बस्ती स्थित ईंट भट्ठे के श्रमिकों को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर सामाजिक सुरक्षा के तहत प्राप्त होने वाले पेंशन योजनाओं एवं अनुदान योजनाओं में समस्याओं के निवारण हेतु शिकायत सहायता शिविर भी लगाया गया एवं बुनियाद केंद्र के तहत प्रदत सेवाओं को आमजनों तक पहुंचाने के लिए संजीवनी के माध्यम से सेवाएं भी प्रदान की गई। इस अवसर पर लाभान्वित होने वाले लोगों के बीच अपनी बात रखते हुए जिलाधिकारी ने उन्हें आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन किसी भी परिस्थिति में उन्हें सहयोग एवं सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। जिलाधिकारी के द्वारा सहायक निदेशक , सामाजिक सुरक्षा को निर्देशित किया गया कि किसी भी विधवा ,वृद्ध एवं दिव्यांगजन को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्ति में बाधा का सामना न करना पड़े। इसे सुनिश्चित करायें। जिलाधिकारी ने बुनियादी सेवाएं संजीवनी वैन के माध्यम से एवं बुनियाद केंद्र पर आकर प्राप्त करने के लिए भी लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय विधायक ऋतुराज कुमार के द्वारा भी आम जनों को संबोधित करते हुए समाज कल्याण की योजनाओं की प्राप्ति या फिर अन्य समस्याओं के निराकरण में पूरा सहयोग देने की बात कही। उन्होंने समाज कल्याण विभाग एवं जिला प्रशासन के द्वारा कराए जा रहे कंबल वितरण कार्यक्रम की भी सराहना की। इस कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के उपाध्यक्ष सागर कुमार अपर समाहर्ता, विभागीय जांच, विनय कुमार ,अनुमंडल पदाधिकारी, राजीव रंजन सिंहा, प्रखंड विकास पदाधिकारी काको आशीष कुमार मिश्र एवं अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस कार्यक्रम का संयोजन सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा पूनम कुमारी के द्वारा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

कोटक सिक्योरिटीज ने अपना मार्केट आउटलुक 2026 जारी किया

पटना।कोटक सिक्योरिटीज लिमिटेड (कोटक नियो) ने अपना मार्केट आउटलुक 2026 जारी किया है, जिसमें वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय शेयर बाजार और कमोडिटी (जैसे सोना) में मजबूती की उम्मीद जताई गई है। रिपोर्ट में आने वाले साल में निवेशकों के ध्यान देने लायक बड़े आर्थिक रुझान, सेक्टर के अवसर और कमोडिटी के अनुमान बताए गए हैं। कोटक सिक्योरिटीज के एमडी एंड सीईओ श्रीपाल शाह ने कहा कि, "वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ग्रोथ का मजबूत केंद्र बना हुआ है। हमारी इक्विटी पर राय पॉजिटिव है, क्योंकि कॉर्पोरेट अर्निंग अच्छी रहने की उम्मीद है और नीतिगत माहौल भी सहयोगी है। 2026 में सोना एक सुरक्षित निवेश के विकल्प के रूप में अपनी चमक बनाए रखेगा। युवा निवेशकों की बढ़ती भागीदारी से बाजार और मजबूती पकड़ेगा और वेल्थ क्रिएशन के नए अवसर पैदा होंगे। इंडस्ट्री के मोर्चे पर उन्होंने आगे कहा कि, "लेटेस्ट सेबी सर्वे के अनुसार, 63 प्रतिशत परिवार कम से कम एक सिक्योरिटीज मार्केट प्रोडक्ट के बारे में जानते हैं, लेकिन सिर्फ 9.5 प्रतिशत परिवार ही वास्तव में निवेश करते हैं। इसका मतलब है कि भारत के इक्विटी बाजार में अभी भी बहुत बड़ा अनछुआ संभावित हिस्सा मौजूद है। ब्रोकरेज फर्मों को आगे आकर निवेश को आसान और सभी के लिए सुलभ बनाना चाहिए।"

आपदा मित्रों का सात दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

पटना।भारत सरकार युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय , मेरा युवा भारत एवं बिहार राज्य आपदा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में संपतचक में आपदा मित्रो का सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन मेरा युवा भारत के राज्यनिदेशक सूर्यकांत कुमार ने किया । अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आपदा के कठिन समय मे आपदा मित्र लोगो को मदद पहुँचोगे । बाढ़, भूकंप, एवं अन्य आपदा से बचाव के लिए आपदा मित्र नियमित रूप से जागरूकता फैलायेंगे साथ ही युवा मंडल के सदस्यों को प्रेरित करेंगे । मौके पर उपस्थित प्रेम यूथ फाउंडेशन के संस्थापक व बिहार श्रमजीवी पत्रकार यूनियन पटना के महासचिव प्रेम कुमार ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे युवा देश है विकसित भारत 2047 को साकार करने में युवा महत्वपूर्ण है । सात दिवसीय आपदा मित्रो के प्रशिक्षण में आपदा के समय जोखिम को कम करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है । आपदा मित्रो के कंधों पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए तैयार किया जा रहा है । मौके पर माय भारत के एसपी कर्ण, कार्यक्रम समन्वयक प्रियंका कुमारी, एसडीआरएफ के प्रशिक्षक राहुल कुमार,आशीष कुमार , योगेंद्र प्रसाद , आपदा मित्र आर्यन रंजन, सुजीत कुमार,हिमांशु राज, रवि प्रकाश,कृति , सपना,तन्नू ,दिव्या,आयुष,हिमांशु,प्रिंस संगीता समेत सैंकड़ो शामिल रहे ।

मानवाधिकार दिवस पर समाजसेवी हुए सम्मानित

बरेली।सदभाव समाज सेवा समिति परिवार बरेली द्वारा राष्ट्रीय मानवधिकार दिवस पर विभिन्न समाजसेवियों को सम्मानित किया गया इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सुनील सक्सेना मिलन ने कहा कि हम सभी को अपने अधिकार और कर्तव्यों के प्रति हमेशा सचेत रहना चाहिए। इस अवसर पर बरेली के प्रसिद्ध मानवाधिकार कार्यकर्ता अश्विनी कमठान जी ने भारत सरकार द्वारा मानवाधिकार के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी लोगों को दी। सम्मानित होने वाले लोगों में संतोष उपाध्याय, दिवाकर आर्य,डॉक्टर सुबोध अस्थाना, संतोष उपाध्याय, बिट्टू मेहता, महेंद्र राठौर,दीपक राज , विपिन कौसर प्रदीप सक्सेना, राजीव सक्सेना, मनोज सक्सेना गोपाल धूप, शैलेन्द्र सक्सेना शैलू आदि थे । कार्यक्रम की अध्यक्षता रक्ष पाल सिंह जी ने की और सफल संचालन दीपक राज जी ने किया ।

कर्मा देवी समूह के 16वें स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरक कथा से

संसारपुर, बस्ती। कर्मा देवी समूह के 16वें स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत आज आचार्य शांतनु जी महाराज की प्रेरक कथा से हुई। उन्होंने गुरु–शिष्य परंपरा, संत-संग की महिमा और जीवन को सार्थक बनाने के संदेश से छात्रों व शिक्षकों को प्रेरित किया। समूह की सीईओ अंशु सिंह गौतम और सीआईओ यजुवेंद्र विक्रम सिंह ने कहा कि शिक्षा के साथ जीवन मूल्यों व अध्यात्म का समन्वय आवश्यक है। कार्यक्रम के अंत में चेयरमैन ओ.एन. सिंह (सेवानिवृत्त IAS) ने महाराज जी को शॉल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। समूह का मुख्य स्थापना दिवस समारोह 11 दिसंबर को आयोजित होगा, जिसमें बॉलीवुड अभिनेता गुलशन ग्रोवर मुख्य अतिथि रहेंगे।

हंदवाड़ा में राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर कार्यक्रम, बुनियादी सेवाओं की बहाली की मांग तेज

हंदवाड़ा।नेशनल ह्यूमन राइट्स सोशल जस्टिस काउंसिल ऑफ़ इंडिया ने ज़ाफ़रान ज़ेस्ट रेस्टोरेंट में राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर एक प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया। डीजी एडवोकेट एम.आई. ज़ारगर पटनावी के निर्देश पर जेकेयूटी चेयरमैन अब्दुल रशीद शाह की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम में कई पदाधिकारी व सदस्य शामिल हुए। वक्ताओं ने मानवाधिकारों की सुरक्षा और सामाजिक न्याय को मजबूत करने पर ज़ोर देते हुए एलजी प्रशासन और उमर अब्दुल्ला सरकार से पीडीडी व पीएचई विभागों में जवाबदेही सुनिश्चित करने तथा सर्दी के बीच बिजली-पानी की तत्काल बहाली की मांग की। कार्यक्रम का समापन मानवाधिकार व न्याय की रक्षा के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

डीपीएस पाकुड़ में भाषा अन्वेषण क्लब का सफल आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

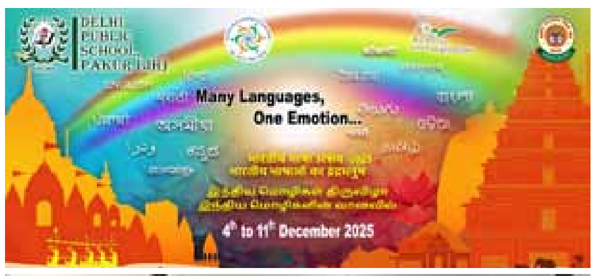

पाकुड़।केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) और भारतीय शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में 4 दिसंबर से मनाए जा रहे भारतीय भाषा उत्सव 2025 के अंतर्गत, डीपीएस पाकुड़ में छठवें दिन भाषा अन्वेषण क्लब का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस क्लब का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की समृद्ध भाषाई और सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराना था।इस विशेष आयोजन के तहत, एक विस्तृत संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें भारत की विभिन्न भाषाओं जैसे हिंदी, संस्कृत, भोजपुरी, तमिल, ओड़िया, बंगाली, पंजाबी आदि पर गहन चर्चा हुई।

चर्चा के मुख्य बिंदुः

*इन भाषाओं का इतिहास और उनकी उत्पत्ति (व्युत्पन्न) की प्रक्रिया।

*इन भाषाओं का साहित्य।

*इन भाषाओं से संबंधित प्रांतों की भौगोलिक स्थिति।

*वहाँ की सांस्कृतिक विरासत, नृत्य-कला और त्योहार।

बहुभाषी भारत के लिए महत्वपूर्ण पहल

विद्यालय के प्रधानाचार्य जे. के. शर्मा ने इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए जानकारी दी कि भाषा अन्वेषण क्लब के माध्यम से बच्चों को विभिन्न भारतीय भाषाओं के बारे में गूढ़ जानकारी प्राप्त होगी। उन्होंने बल दिया कि भारत जैसे बहुभाषी देश में इस तरह के कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। प्रधानाचार्य ने कहा, "इससे बच्चों के मध्य अपनी मातृभाषा के अलावा दूसरी भाषाओं के प्रति भी अपनत्व की भावना जागृत होगी, जिससे बच्चों के मन में देश प्रेम की भावना और भी बढ़ेगी।"

समापन समारोह की तैयारी

श्री शर्मा ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 11 दिसंबर 2025 को भाषा उत्सव-2025 का भव्य समापन समारोह मनाया जाएगा। इस समारोह में विद्यालय के सभी बच्चे और शिक्षकगण उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। यह उत्सव भारतीय भाषाओं के महत्व को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों को एकजुट करने का एक सफल मंच साबित हुआ है।

स्ट्रीक्स ने अपने नए कैंपेन के लिए जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर बनाया

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट (एचआरआई) के भारत के अग्रणी हेयर कलर और केयर ब्रांड स्ट्रीक्स ने अपने इनोवेटिव प्रोडक्ट स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर के लिए भारत के शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। यह साझेदारी एक ऊर्जावान नए कैंपेन "मैं फास्ट, स्ट्रीक्स सुपरफास्ट" के साथ लॉन्च की जा रही है, जो आत्मविश्वास, गति और सहज स्टाइल का जश्न मनाता है। जसप्रीत बुमराह अपनी स्पीड, उच्च प्रदर्शन और निरंतरता के लिए मशहूर स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर के स्पीड और गुणवत्तापूर्ण प्रदर्शन के वादे का सटीक प्रतिनिधित्व करते हैं। कैंपेन का नया टीवी विज्ञापन, विचार "मैं फास्ट, स्ट्रीक्स सुपरफास्ट" पर आधारित है, जो इस दर्शन को एक तेज-तर्रार, परफॉर्मेंस-ड्रिवन कहानी के रूप में प्रस्तुत करता है। बुमराह के साथ यह नैरेटिव सिर्फ सुविधा तक सीमित नहीं रहता बल्कि स्मार्ट ग्रूमिंग सुपीरियोरिटी और आधुनिक, आसान स्टाइल को नया बेंचमार्क देता है। स्ट्रीक्स शैंपू हेयर कलर जिसकी कीमत केवल 15 रूपए से शुरू होती है, शैंपू की तरह लगाने में आसान है और सिर्फ 5 मिनट में बालों को कलर करता है। हाइजीनिक रिसर्च इंस्टीट्यूट प्राइवेट लिमिटेड की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट – मार्केटिंग, प्रियंका पुरी ने इस सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा, "हम स्ट्रीक्स परिवार में जसप्रीत बुमराह का स्वागत करते हुए बेहद उत्साहित हैं। इस साझेदारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, जिनका प्रतिनिधित्व राइज़ वर्ल्डवाइड द्वारा किया जाता है, ने कहा, स्ट्रीक्स के साथ यह सहयोग स्वाभाविक लगा क्योंकि इसका शैंपू हेयर कलर बिल्कुल वही दर्शाता है जिसकी मैं कद्र करता हूँः गति, आत्मविश्वास और भरोसेमंद परिणाम।

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय और इग्नू ने देश भर में कौशल प्रशिक्षण तक पहुंच बढ़ाने के लिए साझेदारी की

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) और इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी (इग्नू) ने नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की सचिव सुश्री देवश्री मुखर्जी ने कहा कि मंत्रालय हर युवा भारतीय के लिए कौशल विकास के अवसर लाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस बात पर विशेष ज़ोर दिया कि यह सहयोग छात्रों को उनकी फॉर्मल एजुकेशन के साथ-साथ फ्यूचर-रेडी स्किल्स सीखने में मदद करेगा, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि वे जॉब और एंटरप्रेन्योरशिप के लिए बेहतर तरीके से तैयार हों। उन्होंने आगे कहा कि "हमारा प्रयास है कि कौशल सभी को आसानी से मिल सकें, चाहे वे मेट्रो शहर में या दूर-दराज के जिले में रहते हों। इग्नू के साथ यह साझेदारी अधिक युवाओं को आत्मविश्वासी बनाने और काम की वास्तविक दुनिया के लिए तैयार होने में मदद करेगी।" इग्नू की वाइस चांसलर प्रोफेसर उमा कांजीलाल ने कहा कि इस विश्वविद्यालय ने पूरे भारत में अलग-अलग समुदायों को समावेशी और फ्लेक्सिबल शिक्षा के मौके देने के लिए लगातार काम किया है। उन्होंने कहा कि इग्नू की एकेडमिक ताकत को स्किल इंडिया की इंडस्ट्री-लेड ट्रेनिंग के साथ मिलाने से आजीवन सीखने और रोज़गार सृजन के मजबूत रास्ते बनेंगे। उन्होंने ये भी कहा कि, "यह साझेदारी हमें हाई-क्वालिटी इंस्ट्रक्शन, असेसमेंट और मजबूत एम्प्लॉयमेंट लिंकेज सुनिश्चित करते हुए हर जगह शिक्षार्थियों तक कौशल प्रशिक्षण की पहुंच बढ़ाने में मदद करती है।" समझौते के तहत, इसे 21 पायलट स्किल सेंटर्स से शुरू किया जाएगा, जिसके बाद तीन साल के अंदर सभी 70 इग्नू क्षेत्रीय सेंटर्स को कवर करने के लिए चरणबद्ध विस्तार किया जाएगा।

भारत-ऑस्ट्रेलिया राउंडटेबल बैठक ने फ्यूचर-रेडी वर्कफोर्स के मजबूत रास्ते तैयार किए

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।नई दिल्ली के कौशल भवन में ऑस्ट्रेलिया-इंडिया एजुकेशन एंड स्किल्स काउंसिल (एआईएसईसी) की तीसरी बैठक के तहत चल रहे सहयोग के हिस्से के तौर पर, भारत और ऑस्ट्रेलिया ने स्किलिंग पार्टनरशिप पर एक उच्च-स्तरीय राउंडटेबल बैठक का आयोजन किया। माननीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री, श्री जयन्त चौधरी ने कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया वैश्विक स्तर पर गतिशील और इंडस्ट्री-अलाइन्ड टैलेंट पूल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। उन्होंने जॉइंट सर्टिफिकेशन, ग्लोबल स्किल्स रिकग्निशन और भरोसेमंद असेसमेंट सिस्टम में ठोस और मापनीय परिणाम सुनिश्चित करने के लिए समयबद्ध रोडमैप तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। ऑस्ट्रेलिया के स्किल्स एंड ट्रेनिंग मिनिस्टर, माननीय एंड्रयू जाइल्स एमपी ने सहयोग को गहरा करने के ऑस्ट्रेलिया की प्रतिबद्धता दोहराई साथ ही उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि ठोस परिणामों को लागू करने और उन्हें प्रभावी रूप से धरातल पर उतारने के लिए आने वाली चुनौतियों का उपयुक्त प्रबंधन आवश्यक है। स्किल्स एंड ट्रेनिंग की डिप्टी सेक्रेटरी, सुश्री एना फेथफुल और कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की आर्थिक सलाहकार सुश्री अर्चना मायाराम ने बातचीत का सारांश देते हुए स्किलिंग को आकांक्षी बनाने और एंगेजमेंट के लिए रेगुलर चैनल बनाने के लिए दोनों देशों के साझा संकल्प के बारे में बताया। चर्चा में स्किल इकोसिस्टम को तेज़ी से हो रहे टेक्नोलॉजी में बदलाव के साथ तालमेल बिठाने पर फोकस किया गया, जिसमें एआई से होने वाला बदलाव, इंडस्ट्री की बदलती ज़रूरतें और अलग-अलग सेक्टर में प्रतिभा की कमी शामिल है।

अतिथि शिक्षक शोधार्थियों ने सांसद मनोज तिवारी को सौंपा ज्ञापन

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली।शिक्षक शोधार्थी धरने के बाईस दिन बीत जाने के बाद भी दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन भी असंवेदनशील बना हुआ है।दिल्ली विश्वविद्यालय की इस असंवेदनशीलता के खिलाफ़ दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक शोधार्थी संघ ने बुधवार को ए पी आई मुद्दे पर उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ज्ञापन सौंप कर सभी प्रभावित अभ्यर्थियों का पक्ष रखा। इसके पहले शिक्षको ने यूजीसी और डूटा से भी गुहार लगाई थी। डूटा अध्यक्ष वी.एस. नेगी ने भी कहा था कि हम धरना दे रहे साथियों की मांग का समर्थन करते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय की अकादमिक परिषद में भी सभी शिक्षको को साक्षत्कार में बुलाए जाने की मांग का समर्थन मिला था। बारह तारीख की ई. सी.मीटिंग में भी इस मुद्दे को लेकर बातचीत होगी। नाम न लेने की शर्त पर पढ़ा रहे शिक्षक ने बताया कि हिंदु कॉलेज में एक सीट पर 70 से 78 के स्कोर पर लोगों को बुलाया गया, वहीं दूसरी तरफ राजधानी कॉलेज में 84. ए.पी. आई.वाला भी बाहर है। इस विभेदकारी नियम

» बाईस दिन बाद भी असंवेदनशील डी.यू. प्रशासन

के कारण कई अनुभवी शिक्षक भी है जो साक्षत्कार में बैठ नही पाएंगे। कालिंदी कॉलेज के शिक्षक और डूटा में सक्रिय भागीदारी रखने वाले डा.लवकुश का कहना है कि ये स्थिति विभिन्न समय में परीक्षा पद्धति में हुए बदलाव का नतीजा है। वार्षिक परीक्षा प्रणाली में लोगों के नंबर कम आते थे, सेमेस्टर प्रणाली में नंबर ज्यादा आने लगे और पिछले पांच छः साल से और अधिक नंबर आने लगे हैं जिससे ए पी आई में पुराने लोग पिछड़ने लगे और अनुभवी लोगों को समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ए पी आई हटे तभी इस समस्या का समाधान हो सकता है।

मदर टेरेसा मिशन स्कूल का वार्षिकोत्सव उत्साहपूर्वक सम्पन्न

नई सोच एक्सप्रेस

कानपुर।मदर टेरेसा मिशन हायर सेकेंडरी स्कूल की सभी यूनिटों का संयुक्त वार्षिकोत्सव एवं खेलकूद स्पर्धा कोयला नगर यूनिट-2 के क्रीड़ास्थल पर हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुई। कर्नल अविनाश शर्मा (कमांडिंग ऑफिसर, 59 बीएन एनसीसी) ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सिनियर विंग (कक्षा 6–12) के विद्यार्थियों ने मार्च-पास्ट, पीटी डिस्प्ले, बैण्ड प्रेज़ेंटेशन व समूहगान सहित 'एलीमेंट्स ऑफ क्रिएशन', 'योगिक महाभारत', 'योगा हाई स्टेपर्स' आदि प्रस्तुतियां दीं। 100, 200, 400 मीटर दौड़, रिले, हर्डल रेस, शॉटपुट व जैवलिन सहित कई प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। मुख्य अतिथि ने मेधावी छात्रों को पुरस्कार व छात्रवृत्ति प्रदान की। अंत में अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच रस्साकसी प्रतियोगिता आकर्षण का केंद्र रही। कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. वीना साइलस, चेयरमैन यशराज साइलस सहित अभिभावक व शिक्षक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एक्सकॉन 2025 में टाटा हिताची के 'रिलायबल ऑरेंज' की दमदार प्रदर्शनी - नेक्स्ट-जेन मशीनें और इलैक्ट्रिक एक्सकेवेटर पेश

नई सोच एक्सप्रेस

बेंगलुरु।भारत की मशहूर कंस्ट्रक्शन मशीनरी कम्पनियों में सुप्रतिष्ठित टाटा हिताची ने दक्षिण एशिया के सबसे बड़े कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट एग्जीबिशन एक्सकॉन 2025 में अपना आधिकारिक पवेलियन खोला। इसका थीम था ''रिलायबल ऑरेंज''। टाटा हिताची के एक्सकॉन 2025 पवेलियन का उद्घाटन श्री मासाफुमी सेनजाकी ने किया जो जापान में हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी के रिप्रेज़ेंटेटिव एग्जीक्यूटिव ऑफिसर, प्रेसिडेंट और एग्जीक्यूटिव ऑफिसर और सीओओ हैं। उनका आगमन इसलिए भी उल्लेखनीय है कि यह भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर ग्रोथ स्टोरी के लिए उनकी प्रतिबद्धता मजबूत होने का प्रमाण है। साथ ही, टाटा हिताची के लिए 4 दशकों से ज्यादा समय से एचसीएम के समर्थन को दर्शाता है। इससे हिताची कंस्ट्रक्शन मशीनरी जापान की ग्लोबल ग्रोथ स्ट्रैटेजी में भारत की बढ़ती भूमिका भी सामने आई है। ''रिलायबल ऑरेंज'' - इस साल का थीम भरोसा, इनोवेशन और निरंतर दमदार परफॉर्मेंस को लेकर टाटा हिताची के अटूट वादे को दर्शाता है। टाटा हिताची के इस वादे के पीछे भरोसे, इंजीनियरिंग एक्सीलेंस और समर्पित ग्राहक सेवा की विरासत रही है।

ट्रूकॉलर ने स्कैम से बचाव के लिए लॉन्च किया 'फैमिली प्रोटेक्शन' फीचर

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।ट्रूकॉलर ने परिवारों को फ़ोन पर होने वाले स्कैम से बचाने के लिए नया फीचर फैमिली प्रोटेक्शन लॉन्च किया है। यह फीचर एंड्रॉइड और iOS दोनों पर उपलब्ध ट्रूकॉलर ऐप में मिलेगा, जिसके ज़रिये अधिकतम पाँच सदस्य एक फ़ैमिली ग्रुप बनाकर एक-दूसरे को स्कैम और अनचाहे कॉल से सुरक्षित रख सकेंगे। ग्रुप में मौजूद फ़ैमिली एडमिन सुरक्षा स्तर तय कर सकेगा, ब्लॉकलिस्ट मैनेज कर सकेगा और एंड्रॉइड उपयोगकर्ताओं के लिए संदिग्ध कॉल आने पर रियल-टाइम में अलर्ट प्राप्त कर दूर से ही कार्रवाई भी कर सकेगा। यह सुविधा खासकर उन लोगों के लिए उपयोगी होगी जिन्हें मोबाइल टेक्नोलॉजी की कम समझ है। कंपनी ने बताया कि यह फीचर मुफ्त रहेगा, लेकिन इससे उपयोगकर्ताओं के जुड़ाव और प्रीमियम अपग्रेड के अवसर बढ़ेंगे। प्रीमियम फ़ैमिली प्लान में उन्नत स्पैम ब्लॉकिंग, हाई-रिस्क नंबरों का ऑटो रिजेक्शन और एड-फ्री अनुभव शामिल है। फैमिली प्रोटेक्शन को स्वीडन, चिली, मलेशिया और केन्या में पायलट आधार पर शुरू किया गया है, जबकि भारत में इसका लॉन्च वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में प्रस्तावित है। सीईओ ऋषित झुनझुनवाला ने कहा कि ट्रूकॉलर परिवारों के लिए भरोसेमंद सुरक्षा प्लेटफ़ॉर्म बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है, ताकि बदलते स्कैम तरीकों के बीच उपयोगकर्ता सुरक्षित रहें।

किराएदार के अधिकारों का संरक्षण

यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो। भारत सरकार का कहना है कि मकान किराया संबंधी नए नियमों में उसने मकान मालिक और किरायेदार दोनों के हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश की है। इसके तहत पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया है। चूंकि अब मकान किराए पर देने से संबंधित दस्तावेज का 60 दिन के अंदर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना होगा, इसलिए समझा जा सकता है कि नए नियमों का मकसद टैक्स वसूली को सुनिश्चित करना भी है। बहरहाल, यह सोच अपने-आप में सही जगह पर है कि मकान किराए पर लगाने का कारोबार औपचारिक दायरे में आए और जहां अपने मकान की सुरक्षा को लेकर मालिक आश्वस्त हों, वहीं किराएदार के अधिकारों का भी संरक्षण हो। तो प्रावधान किया गया है कि मकान मालिक मनमाने तरीके से किराया नहीं बढ़ा पाएंगे, सुरक्षा जमा (डिपॉजिट) की सीमा तय कर दी गई है और किराया वृद्धि को भी नियमित किया गया है। आवासीय मकसद के लिए किराए पर लगाए गए मकान के मालिक अब दो महीने से अधिक का डिपॉजिट नहीं ले सकेंगे। खासकर बड़े शहरों में चलन छह महीने या साल भर का एडवांस किराया लेने का रहा है। साथ ही मकान मालिक अब अचानक किराया नहीं बढ़ा पाएंगे। इसके लिए उन्हें पहले से नोटिस देना होगा। इसी तरह मकान मालिक अब किसी किरायेदार को अचानक घर खाली करने के लिए मजबूर नहीं कर सकेंगे। इसके लिए निश्चित नोटिस पीरियड और कानूनी प्रक्रिया का पालन करना होगा। किराएदार किसी मरम्मत के लिए शिकायत करता है, तो मकान मालिक को ऐसा 30 दिन के अंदर कराना होगा। वरना, किराएदार को अधिकार होगा कि वह खुद मरम्मत करवा कर आए खर्च को किराए में एडजस्ट कर ले। उधर चूंकि किराएदारी के हर समझौते का डिजिटल स्टांप करवा कर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराना जरूरी होगा, तो उससे मकान मालिकों को सुरक्षा मिलेगी।

वोट चोरी और एसआईआर विवाद: क्या मोदी सरकार की छवि धूमिल करने की कोशिश?

आरती कुमारी

संसद के दोनों सदनों में चुनाव प्रक्रिया में सुधार, एसआईआर और इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर चर्चा चल रही है। सभी दलों के नेता पक्ष-विपक्ष में अपने विचार रख रहे हैं। इसी के साथ चुनावों के दौरान मतदान प्रणाली को लेकर लगातार उठ रहे विवादों में पिछले कुछ समय से चुनाव आयोग भी विपक्षी दलों के निशाने पर है। विपक्ष की पार्टियां बार-बार यह सवाल कर रही हैं कि आखिर क्यों जनता लगातार भारतीय जनता पार्टी को चुन रही है, जबकि कांग्रेस और महागठबंधन जैसी पार्टियां हर बार चुनाव में हार रही हैं। इन दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग चुनाव प्रक्रिया में निष्पक्षता नहीं बरत रहा और ईवीएम में गड़बड़ी हो रही है। राहुल गांधी इस मामले में सबसे मुखर आवाज बने हुए हैं, जो ईवीएम के खिलाफ कई बार अपनी आपत्ति जता चुके हैं। विपक्ष का मानना है कि सभी चुनावों में वोटिंग मशीन के जरिए वोटिंग की बजाय फिर से बैलेट पेपर से चुनाव करवाए जाएं। उनका तर्क है कि ईवीएम में विश्वास नहीं किया जा सकता क्योंकि इससे गड़बड़ी संभव है। इसके साथ ही वे बताते हैं कि ईवीएम के विवादों को लेकर चुनाव आयोग और सरकार पर सवाल उठाना उनकी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। विपक्ष की ओर से यह भी आवाज उठ रही है कि चुनाव प्रणाली में पारदर्शिता और लोकतांत्रिक मूल्यों का अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि हर वोट की गिनती सटीक और निष्पक्ष रूप से हो। दूसरी ओर सत्ता पक्ष और चुनाव आयोग का इस मामले पर मजबूत रुख है। उनका कहना है कि बैलेट पेपर के जमाने में चुनावों में बहुत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और हिंसा होती थी। उस वक्त दबंग अपने इलाकों में जबरन बैलेट पेपर डालकर चुनाव परिणामों को प्रभावित करते थे। मतदाताओं को मतदान केंद्र तक पहुंचने से रोका जाता था, धमकियां दी जाती थीं और कई बार मारपीट भी होती थी। बैलेट पेपर के डिब्बों में स्याही या पानी डालकर मतदाता का अधिकार छीना जाता था। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की पराकाष्ठा को खतरा था और जनता की मंशा का सही प्रतिनिधित्व नहीं हो पाता था। इन्हीं कारणों से चुनाव आयोग ने बहुत सोच-विचार के बाद ईवीएम अर्थात इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को अपनाया। इसके आने के बाद चुनाव प्रक्रिया अधिक सुरक्षित, त्वरित और पारदर्शी हुई है। चुनाव आयोग बार-बार यह स्पष्ट कर चुका है कि ईवीएम पूरी तरह से सुरक्षित और विश्वसनीय हैं। संवैधानिक दिशा-निर्देशों के तहत ईवीएम की जांच, परीक्षण और रख-रखाव नियमित रूप से किया जाता है और यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से होती है। किसी भी प्रकार की गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए यदि कोई पार्टियां भी चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज करातीं, तो उसे गंभीरता से लिया जाता और जांच का प्रावधान है।सुप्रीम कोर्ट ने भी अनेक मामलों में ईवीएम की वैधता और सुरक्षित होने की पुष्टि की है। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि यदि किसी को ईवीएम से संबंधित कोई शिकायत हो, तो उसका समाधान ईवीएम वीवीपैट (वोटर वेरीफायबल पेपर ऑडिट ट्रेल) के जरिए जांचा जा सकता है। वीवीपैट सिस्टम मतदाता को यह सुनिश्चित करने का अधिकार देता है कि उनका वोट मशीन में सही तरीके से दर्ज हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार चुनाव आयोग को निर्देश दिए हैं कि चुनाव प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जाए। हालांकि, विपक्ष के नेताओं ने इस मुद्दे को चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की बजाय प्रचार-प्रसार और सार्वजनिक मंचों पर ही वोट चोरी का आरोप लगाना जारी रखा है। राहुल गांधी के अलावा कई अन्य विपक्षी दलों के नेता भी ईवीएम की आलोचना करते हुए कहते हैं कि यह तकनीक शक्तिशाली दलों का पक्ष लेती है। वे दावा करते हैं कि चुनाव आयोग और सरकार मिलकर ईवीएम के माध्यम से सत्तासीन पार्टी का समर्थन बढ़ा रही है। हालांकि, इस मामले में ठोस सबूत या अदालत में जांच के लिए कोई ठोस कदम विपक्षी दलों ने नहीं उठाए हैं। चुनाव आयोग ने इस दौरान अपने बयान में स्पष्ट किया है कि वे पूरी निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ चुनाव प्रक्रिया का संचालन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि ईवीएम और वीवीपैट प्रणाली पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है। आयोग ने विपक्ष को भी कई मौके दिए हैं कि वे ईवीएम की जांच करे और यदि कोई त्रुटि मिले तो उसका निवारण किया जाए। आयोग ने बार-बार कहा है कि भारत में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाना उनकी प्राथमिकता है। इस पूरे विवाद के बीच चुनाव आयोग ने कहा है कि वोटिंग सिस्टम की समीक्षा और सुधार आवश्यक है, मगर इसे वैज्ञानिक आधार और तथ्यात्मक प्रमाणों के आधार पर करना चाहिए। वे कहते हैं कि बिना किसी ठोस सबूत के, वोटिंग मशीन पर आरोप लगाना लोकतंत्र के हित में नहीं है। इसके बजाय सभी राजनीतिक दलों को साथ मिलकर चुनाव सुधारों पर विचार करना चाहिए और मतदाताओं के विश्वास को बनाए रखना चाहिए। चुनाव आयोग ने पुनर्निर्धारित मतदाता पहचान प्रक्रिया, ईवीएम के सुरक्षा तंत्रों में नवीनतम तकनीक, वीवीपैट की संपूर्ण जांच और चुनाव कर्मियों के प्रशिक्षण में सुधार जैसे कई कदम उठाए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया पर कोई संदेह न रहे। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए अन्य आधुनिक तकनीकों को अपनाने पर भी विचार किया है जो लोकतंत्र की मजबूती में सहायक हों। राजनीतिक दलों की बात करें तो कांग्रेस और महागठबंधन इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर उठाकर जनता का ध्यान चुनाव प्रणाली की खामियों की ओर ले जाना चाहते हैं। वे दावा करते हैं कि जनता को सचेत किया जाए ताकि उनका वोट सुरक्षित रहे। दूसरी ओर भाजपा और अन्य सत्ता पक्ष इस बात पर जोर देते हैं कि पुरानी गलतियों को दोबारा न आएं और लोकतंत्र के मजबूत स्तंभों को मजबूत किया जाए। उनका तर्क है कि चुनाव आयोग निष्पक्ष है और विरोधी दल केवल अपनी चुनावी असफलताओं को छुपाने के लिए आरोप लगा रहे हैं। यह विवाद लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा भी है। लोकतंत्र तभी मजबूत हो सकता है जब जनता चुनाव प्रक्रिया पर भरोसा करे और मतदाता अपने अधिकारों को स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से प्रयोग कर सके। चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट की भूमिका इसमें निर्णायक होती है क्योंकि वे चुनाव के नियम-संहिता के संरक्षक हैं। इसीलिए, वोटिंग मशीन की विश्वसनीयता को लेकर चल रहे सवालों के बीच तथ्य-आधारित बहस जरूरी है ताकि लोकतंत्र की नींव मजबूत हो। इस पूरे तर्क-वितर्क के बीच आम मतदाता की छवि भी ध्यान देने योग्य है। वह अपने क्षेत्र में निष्पक्ष, शांतिपूर्ण मतदान चाहता है, जिसमें किसी प्रकार की बाधा, धमकी या गड़बड़ी न हो। सामान्य मतदाता चाहता है कि उसका वोट सही प्रकार से गिना जाए और चुनाव परिणामों में उसके फैसले की वास्तविक छवि दिखे। यही लोकतंत्र की मूल भावना है और इसके संरक्षण के लिए सभी पक्षों का सहयोग आवश्यक है। इसलिए चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और सभी राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे वोटिंग सिस्टम पर राजनीतिक लड़ाई लड़ने के बजाय वास्तविक सुधार के लिए मिलकर काम करें। चुनाव की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तकनीकी सुरक्षा के उपायों को और बेहतर बनाया जाए। साथ ही मतदाताओं को जागरूक कर उनका विश्वास हासिल किया जाए ताकि हर नागरिक मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेकर देश के भविष्य को आकार दे सके। इस तरह की गंभीर स्थिति में, जो लोकतंत्र की मजबूती के सवाल को छूती है, केवल आरोप-प्रत्यारोप नहीं, बल्कि समाधान पर ध्यान देना आवश्यक है। राजनीतिक दलों का फर्ज बनता है कि वे अपने मतदाताओं को यह विश्वास दिलाएं कि उनका वोट सुरक्षित है और चुनाव निष्पक्ष तरीके से होता है। वहीं चुनाव आयोग को भी लोकतंत्र की गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी प्रक्रिया को हर तरह से पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत करना होगा, ताकि देश का लोकतंत्र उत्सव की तरह हर चुनाव में फल-फूल सके।

इंडिगो संकट - संयोग, प्रयोग या सुनियोजित?

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारत जैसा विशाल लोकतंत्र जब-जब वैश्विक केंद्रों के निशाने पर आता है, तब उसके भीतर किसी अदृश्य शक्ति का हस्तक्षेप दिखाई देने लगता है। इतिहास उठाकर देखा जाए तो, जब-जब देश किसी बड़े राजनीतिक, आर्थिक या कूटनीतिक मोड़ पर खड़ा होता है, तभी कोई ऐसा विचित्र और असामान्य घटना-संयोग सामने आता है जो सिर्फ "संयोग" जैसा नहीं लगता है, बल्कि "संदिग्ध प्रयोग" की शक्ल लेने लगता है। भारत एक उभरती महाशक्ति है। यह तथ्य न तो अमेरिका को अज्ञात है, न चीन को, न यूरोप को और न मध्य-पूर्व की शक्तियों को। लेकिन भारत की मजबूती तभी तक है जब तक उसका भीतरी ढांचा संतुलित है। ध्यान देने वाली बात है कि भारत में बड़ी अस्थिरताएं कब पैदा होती हैं? जब कोई वैश्विक नेता भारत दौरे पर हो। जब भारत किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय करार के मुहाने पर हो। जब भारत विदेशी निवेश या रक्षा साझेदारी में चमक दिखा रहा हो। जब भारत अपनी घरेलू नीतियों में निर्णायक सुधार करने का संकेत दे रहा हो। जब भारत की शक्ति किसी प्रतिद्वंदी शक्ति के हितों को चोट पहुँचाती हो। यह पैटर्न इतना सीधा-सादा नहीं है कि उसे सतह से देखा जा सके, लेकिन इतना जटिल भी नहीं है कि इसे समझा न जा सके। भारत एक खुला, लोकतांत्रिक और अत्यधिक जनसंख्या वाला राष्ट्र है। यहां दबाव बनाने के लिए आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक, कॉर्पोरेट और डिजिटल सभी रास्ते उपलब्ध हैं। यहां बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ हैं। यहां विदेशी निवेश है। यहां मीडिया-धाराएँ हैं। यहां राजनीतिक असहमति है। यहां सामाजिक संवेदनशीलताएँ हैं। किसी भी बड़े वैश्विक खिलाड़ी के लिए यह पूरा भू-तंत्र एक "प्रेशर सिस्टम" की तरह काम करता है, जहाँ बस एक छोटा-सा धक्का भी हलात को विकराल बना सकता है। जब डोनाल्ड ट्रंप भारत यात्रा पर आए थे, पूरी दुनिया की नजर दिल्ली पर थी। भारत-अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी नई ऊंचाइयाँ छू रही थी। लेकिन उसी समय दिल्ली भयंकर दंगे में जल उठी। दंगा ऐसे समय शुरू हुआ जब भारत दुनिया के स्पॉटलाइट में था। ऐसा लगता था जैसे "किसी को" इस बात से दिक्कत है कि भारत-अमेरिका संबंधों को सकारात्मक संदेश मिले। इस आग में देश की राजनीतिक छवि को गहरा नुकसान हुआ। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इस घटना को तुरंत उछाल दिया, प्रायः समन्वित रूप से। एक प्रश्न हर भारतीय के मन में उठना चाहिए कि क्या ऐसे "संयोग" किसी बड़े खेल का हिस्सा होता हैं? भारत और रूस के रिश्तों में नया पुनर्जीवन आ रहा है। रूस-चीन समीकरण बदल रहा है और भारत इसके केंद्र में है। जब व्लादिमीर पुतिन दिल्ली आए, उसी समय एयरस्पेस में तकनीकी हाहाकार, रूट्स में अचानक बदलाव, उड़ानों पर प्रभाव और हवाई चेतावनी का माहौल। ऐसा लगा कि किसी अदृश्य शक्ति ने यह सुनिश्चित किया है कि भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को "स्थिरता" का प्रमाणपत्र न मिले। जब दुनिया दो ध्रुवों में बंट रही हो, तब भारत का स्थिर रहना कई देशों के लिए खतरा बनता है और इसीलिए, ऐसे समय में "हलात" अपने आप नहीं बिगड़ते हैं बल्कि उन्हें बिगाड़ा जाता है। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी प्राइवेट एयरलाइन है। बाजार हिस्सेदारी 55% से ऊपर। हजारों उड़ानें। मिलियन्स यात्री। ऐसे समय में यदि इंडिगो अचानक किसी बड़े संकट, तकनीकी या ऑपरेशनल कुहासे में फंसता है तो यह सिर्फ एक एयरलाइन का संकट नहीं हो सकता है। यह भारत की घरेलू एविएशन स्थिरता पर हमला होता है। यह यात्रियों का भरोसा हिलाने की कोशिश होती है। यह विदेशी निवेशक को डराने की चाल होती है और यह सरकार को घुटनों पर लाने का दबाव तरीका भी हो सकता है। आखिर ऐसा क्यों? क्योंकि एयरलाइंस सीधे-सीधे अंतरराष्ट्रीय कॉर्पोरेट दबाव की लेन में होती हैं। प्राइवेट एयरलाइंस की नीतिगत निर्भरता सरकार पर बहुत अधिक होती है। एयरलाइंस किसी भी देश की "इमेज" का वास्तविक चेहरा होती हैं। एयरलाइंस पर संकट का मतलब पूरे बाजार में तनाव होता है। एयरलाइंस "सॉफ्ट टारगेट" होती हैं। इसलिए, इंडिगो जैसी कंपनी का किसी बड़े खेल में मोहरा बनना बिल्कुल असंभव नहीं है। आज भारत 5G और 6G टेक्नोलॉजी का केंद्र बनने की तैयारी में है। डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर पूरी तरह भारतीय कंपनियों के हाथ में जा रहा है। ग्लोबल टेलीकॉम मार्केट में भारत का दखल बढ़ रहा है। डेटा-सुरक्षा का मुद्दा वैश्विक खुफिया तंत्र को प्रभावित करता है। ऐसे में यदि एयरटेल को डगमगाया जाए, तो भारत के नेटवर्क पर असर होगा। यदि जियो/रिलायंस पर प्रहार हो, तो भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था पर दबाव बनेगा। यदि इंडिगो को असंतुलित किया जाए, तो भारत की लॉजिस्टिक और छवि पर चोट लगेगी। याद रखना चाहिए कि कॉर्पोरेट युद्ध भी एक प्रकार का आधुनिक भू-राजनीतिक युद्ध होता है। आज कंपनियाँ राष्ट्र शक्ति का एक्सटेंशन बन चुकी हैं और राष्ट्र नियति भी कंपनियों के हाथों में बंधी दिखती है। प्रश्न यह है कि आखिर भारत पर दबाव क्यों बढ़ाया जा रहा है? कारण स्पष्ट दिखता हैं कि भारत अब "खरीदार" नहीं, "निर्माता" बन रहा है और यह बदलाव कई देशों के हितों के खिलाफ है। भारत वैश्विक कूटनीति में "साइड रोल" से "मुख्य भूमिका" में आ रहा है और यह कई शक्तियों को असहज करता है। भारत की घरेलू नीतियों से विदेशी कॉर्पोरेट का नियंत्रण घट रहा है और इसे वे बर्दाश्त नहीं करते हैं। भारत अब "चाहिए तो चलेगा, नहीं तो भी चलेगा" वाले दौर में नहीं है बल्कि वह अपनी शर्तों पर फैसला ले रहा है। भारत की सैन्य और डिजिटल क्षमता बढ़ने से कई देशों का संतुलन बिगड़ता है और यह बिगड़ना उन्हें भयभीत करता है। सरकारें तब घुटनों पर आती हैं जब उनकी अर्थव्यवस्था कमजोर हो। जनता असंतुष्ट हो। मीडिया नकारात्मक हो। कॉर्पोरेट दबाव बढ़ जाए। अंतरराष्ट्रीय छवि धूमिल हो। विपक्ष आक्रामक हो और राष्ट्रीय स्तर पर अस्थिरता फैलाई जाए। इंडिगो जैसी घटना, पुतिन-काल का हाहाकार, ट्रंप-युग का दंगा, यह सब मिलकर एक दबाव-तंत्र बनाता है। यह दबाव सरकार को नीतिगत रियायतें देने पर मजबूर कर सकता है। यह सरकार को अपने निर्णय बदलने पर बाध्य कर सकता है। यह सरकार की लोकप्रियता को कम कर सकता है। भारत में एक प्रवृत्ति है जब हलात बिगड़ते हैं, जनता भावनाओं में बह जाती है। जब हलात और बिगड़ते हैं, तो सरकारी तंत्र भी दबाव में आ जाता है और यही वह समय होता है जब संयम की सबसे अधिक जरूरत होती है। क्योंकि भावनाएं निर्णय को प्रभावित करता है। निर्णय देश को प्रभावित करता है और देश का भविष्य वैश्विक समीकरणों को प्रभावित करता है। इसलिए, हलात बिगाड़ने वाले वही लोग होते हैं जिन्हें पता है कि जब भारत अस्थिर होता है, तब वे मजबूत होता है। किसी भी घटना को संयोग कहना आसान होता है। लेकिन जब एक ही समय पर, एक ही प्रकार के, एक जैसे असर वाले, और एक जैसे संकेत देने वाले संकट बार-बार होता है तो संयोग की जगह संदेह होना स्वाभाविक हो जाता है। ऐसे देखा जाए तो यह भी संभव है कि वैश्विक या घरेलू शक्तियां भारत को किसी खास नीति, साझेदारी या आर्थिक ढांचे की ओर धकेलने के लिए यह प्रयोग कर रही हों। कॉर्पोरेट, कूटनीति और खुफिया तंत्र का संयुक्त खेल भी हो सकता है। भारत को 2030 तक रोकने की अंतरराष्ट्रीय नीति भी संभव हो सकता है। इसमें से कोई भी संभावना पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता है। भारत आज दो रास्तों पर खड़ा है। एक ओर बढ़ते अवसर तो दूसरी ओर सुनियोजित बाधाएँ। इंडिगो इसका ट्रेलर हो सकता है। रिलायंस और एयरटेल संभवतः अगला अध्याय भी हो सकता है। दंगे, डिजिटल अशांति, एविएशन संकट, आर्थिक दबाव, यह सब "किसी" रणनीति का हिस्सा भी हो सकता है। भारत को संयम, समझदारी और सजगता की सबसे अधिक आवश्यकता आज है। क्योंकि भविष्य उसी का होगा जो हलातों को नियंत्रित करे, न कि हलातों द्वारा नियंत्रित हो। भारत के हलात जब विकराल स्वरूप लेता है, तब केवल सरकार ही नहीं बल्कि पूरी व्यवस्था की परीक्षा होती है।

मेष राशि : आज विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी लेकिन सफलता जरूर मिलेगी। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। कारोबार में बढ़ोतरी होगी, साथ ही ख़र्च में वृद्धि की संभावना है, छोटे-मोटे उतार-चढ़ाव आएंगे। कार्यस्थल में उच्च अधिकारियों व सहयोगियों का पूरा साथ आपको मिलता रहेगा।

वृष राशि : आज अपने कार्य पर ध्यान लगाएंगे तो आय में वृद्धि होगी, कठिन परिश्रम ही आपकी सफलता की चाबी है। वित्तीय मामलों से जुड़े फैसले कुछ समय के लिए टाल दें। प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए समय अनुकूल है। आप कार्यक्षेत्र में भी बेहतर कार्य करेंगे। कई दिनों से चली आ रही परेशानी हल मिल सकता है।

मिथुन राशिः आज आपके परिवार के सदस्यों को आनंद देना और एक साथ बांधे रखना आपके लिए थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन आप सफल हो जाएंगे। किसी के मनोबल और वास्तविक सहयोग के बिना परिस्थिति का सामना करना आपके हित होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। कई तरह की व्यक्तिगत गतिविधियों में ही दिन व्यतीत हो जाएगा। आज आपका भाग्य आपके साथ है, कार्य स्थल पर प्रमोशन या प्रशंसा मिलने के आसार हैं, व्यापार में नई संभावनाएं तलाशी जा सकती हैं।

सिंह राशिःआज लंबे समय से जिस परीक्षा या टेस्ट के नतीजों का आप इंतजार कर रहे थे, वो आज आपको मिल सकता है, नतीजे आपके पक्ष में ही होंगे। जॉब चेंज करने का प्रयास न करें, नौकरी में स्थानांतरण की सूचना मिल सकती है। निवेश करने के लिए अच्छा नहीं है, धनागमन होगा परन्तु खर्च में बढ़ोतरी भी होगी।

कन्या राशिः आज अच्छी खबर चित्त प्रसन्न कर देगी। किसी लाभकारी योजना का मसौदा बनेगा। किसी विशिष्ट अध्ययन में समय व्यतीत होगा। आनंद की प्राप्ति होगी। आपका वक्तृत्व कौशल कई सफलता का सूत्रपात करेगा। चिरप्रतिक्षित काम आगे बढ़ेगा।

तुला राशिः आज रुका हुआ धन प्राप्त होगा। संतान से भी सुख प्राप्त होगा। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आपके करियर में संतुष्टि मिलेगी। विदेश से संपर्क लाभ प्रदान करेगा। स्वभाव का रूखापन आपके विरोधियों की संख्या में इजाफा करेगा। पारिवारिक प्रेम और आनन्द में वृद्धि के योग है।

वृश्चिक राशिः आज करियर में प्रदर्शन सुधारने का प्रयास रंग लायेगा। आज आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि कारक होगा। हौसले को उड़ान मिलेगी। किसी की सहायता से क़र्ज़् से मुक्ति की राह निकलेगी। पराक्रम और मौलिक विचार आर्थिक समृद्धि प्रदान करेंगे। सरकार से लाभ और मान सम्भव है।

धनु राशिः आज विनम्रता से लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा। किसी पुराने निवेश की अच्छी कीमत मिलेगी। किसी पुराने मित्र से संपर्क उत्साह भर देगा। सेहत का ध्यान रखें। आज आपको अनुकूल दिन का आनंद मिलेगा, आज अपने संभावित समाधान करने के लिए पर्याप्त गुंजाइश नहीं होगी।

मकर राशिः आज आपके भाग्य का पूरा साथ आपको प्राप्त होगा। जो जातक नौकरी परिवर्तन के बारे में सोच रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल रहेगा। उपहार व सम्मान में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।

कुंभ राशिः आज आप काफी ऊर्जावान और अपने जीवन के दो क्षेत्रों में सक्रिय खोज में महसूस होगा। जीवन में अपनी प्रगति के विषय में सभी मामलों में एक नई चमक होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए नई उमंग से भरा रहने वाला है। आज आप बिजनेस में लाभ लेने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके। आज आपको अपनी काबिलीयत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

वंदे मातरम् पर विवाद देश की मूल भावना से खिलवाड़

मनोज कुमार अग्रवाल

इस से ज्यादा शर्मसार करने वाली बात क्या हो सकती है कि आज लोकतंत्र के पावन मंदिर में राष्ट्रगीत को लेकर खेमेबाजी हो रही है जबकि इस पर समूचे राष्ट्र को एकमत होना चाहिए था। वंदेमातरम् गीत के 150 वर्ष पर चर्चा होने के अवसर पर लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 'वंदे मातरम्' गीत की गूंज ने न सिर्फ अंग्रेजों की नींद उड़ा दी थी बल्कि पूरे भारत में उत्साह का ऐसा माहौल तैयार किया था जो न सिर्फ स्वतंत्रता का मंत्र बना बल्कि आजाद भारत के लिए भी विजन बनकर सामने आया। यह गीत आजादी का उद्गार बन गया था और हर देशवासी इस गीत से प्रेरित होकर अंग्रेजों के खिलाफ जंग लड़ रहा था। इस गीत से देश में बने नये माहौल को देखकर अंग्रेज बौखला गये थे इसलिए उन्होंने इस गीत पर प्रतिबंध लगा दिया और इसे गाने को अपराध मानकर लोगों पर जुल्म ढहाने शुरू कर दिए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'वंदे मातरम्' पर चर्चा में कोई पक्ष और प्रतिपक्ष नहीं है क्योंकि इसी गीत से मिली प्रेरणा के कारण हम सब यहां बैठे हैं और यह हम सबके लिए पावन पर्व है। आपको पता रहे वंदे मातरम को 1950 में भारत के संविधान सभा द्वारा भारत के राष्ट्रीय गीत के रूप में अपनाया गया। वंदे मातरम की की रचना शुरू में स्वतंत्र रूप से की गई थी और बाद में इसे बंकिम चंद्र चटर्जी के 1882 में प्रकाशित उपन्यास आनंदमठ में शामिल किया गया। इसे पहली बार रवींद्रनाथ टैगोर ने 1896 में कोलकाता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में गाया था। एक राजनीतिक नारे के रूप में वंदे मातरम का पहली बार प्रयोग 7 अगस्त 1905 को हुआ था। इस वर्ष, 7 नवंबर 2025 को भारत के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ थी, जिसका अनुवाद मां, मैं आपको नमन करता हूं, है। आज 8 दिसंबर को सदन में इस पर चर्चा हुई। जिस पर सरकार एवं विपक्षियों ने अपनी अपनी राय रखी। यह रचना, एक चिरस्थायी गान ने स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र निर्माताओं की अनगिनत पीढ़ियों को प्रेरित किया है, जो भारत की राष्ट्रीय पहचान और सामूहिक भावना के स्थायी प्रतीक के रूप में खड़ा है। बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित, वंदे मातरम पहली बार साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में 7 नवंबर 1875 को प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने अपने अमर उपन्यास आनंदमठ में भजन को शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ था। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यता, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का एक अभिन्न अंग बन गया है। इस मील के पत्थर को मनाने का अवसर एकता, बलिदान और भक्ति के कालातीत संदेश की पुष्टि करने का अवसर प्रदान करता है। बंदे मातरम पर संसद में आज 8 दिसंबर सोमवार को विशेष चर्चा हुई और, ये ऐसे दौर में हो रहा है जब विपक्ष एसआईआर पर चर्चा चाहता है। राज्यसभा बुलेटिन में वंदे मातरम को भी जय हिंद और दूसरे शब्दों के साथ शामिल किया गया है। ममता बनर्जी का भी इस मुद्दे पर मुखर हो जाना, वंदे मातरम के बंगाल कनेक्शन की तरफ खास इशारे कर रहा है। संसद में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर चर्चा हुई। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इस विषय पर अपनी राय रखी। वंदे मातरम् पर यह बहस केवल एक रस्म नहीं है बल्कि यह ऐसे समय पर हो रही है जब इस गीत को लेकर राजनीति गरम है। नवंबर महीने में इस गीत के 150 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने कहा था कि कांग्रेस ने 1937 के अधिवेशन में राष्ट्रगीत वंदे मातरम् के कुछ जरूरी हिस्से हटा दिए। कांग्रेस का यह कदम विभाजन के बीज बोने जैसा था। पीएम मोदी का आरोप था कि राष्ट्रगीत को टुकड़ों में बांटकर इसकी मूल भावना कमजोर कर दी गई है। सबसे पहले वंदे मातरम् की रचना की बात करें तो बॉकम चंद्र चटर्जी ने इस राष्ट्रगीत की रचना की थी। इसे पहली बार सात नवंबर 1875 को साहित्यिक पत्रिका बंगदर्शन में प्रकाशित किया गया था। उस दिन से लेकर आजतक यह गीत करोड़ों देशवासियों के हृदय में देशभक्ति को अलख जगा रहा है। मातृभूमि की आराधना के प्रतीक इस गीत को सुनते ही ब्रिटिश अफसरों के कान खड़े हो जाते। अंग्रेजों द्वारा वंदे मातरम् गीत को गाने या छापने पर भी बैन लगा दिया गया था। आगे चलकर यह छह छंदों वाला गीत मूल रूप से बंकिम चंद्र चटर्जी के उपन्यास आनंदमठ का हिस्सा बना जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इस उपन्यास में सन्यासी विद्रोह की कहानी के माध्यम से बंकिम ने ने भारत को मां दुर्गा के रूप में चित्रित किया इसमें सुफला, सुफला, मलयजशीतलाम...। यह गीत गुलामी की जंजीरों में जकड़े भारत को समृद्धि और शक्ति का सपना दिखाता था। 1896 में कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में इस गीत को एक नई पहचान मिली। रवींद्रनाथ टैगोर ने इसे संगीतमय रूप दिया और इसे कलकत्ता के अधिवेशन में गाया। संगीतमय प्रस्तुति ने इस गीत को अमर कर दिया। यह गीत जनमानस में तेजी से लोकप्रिय होने लगा। हर तरफ वंदे मातरम् की गूंज सुनाई देने लगी। तब ब्रिटिश राज ने इसे अपनी सरकार के खिलाफ खतरनाक मान लिया। उसके बाद 1905 के बंगाल विभाजन के दौरान स्वदेशी आंदोलन में यह नारा बन गया। कालांतर में इस गीत को लेकर मुसलमानों की तरफ से आपत्ति जताई जाने लगी। 1923 में कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् गायन के समय तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष मोहम्मद अली जौहर मंच से उठकर चले गए थे। इस गीत को लेकर मुस्लिम पक्ष की आपत्ति है कि वंदे मातरम् के जरिए उन पर हिंदू देवी देवताओं की पूजा का दवाव डाला जा रहा है। वंदे मातरम् में मंदिर और दुर्गा शब्दों का इस्तेमाल हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने 1937 में तय किया कि राष्ट्रीय आयोजनों में इस गीत के केवल पहले दो पद ही गाए जाएंगे। यही कारण रहा कि 1937 में पंडित जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए कांग्रेस अधिवेशन में वंदे मातरम् के केवल दो छंद ही गाए गए। उस समय से इसी नियम का पालन किया जाने लगा। आजादी के बाद इसे नियम बनाते हुए 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने वंदे मातरम् को राष्ट्रगीत घोषित कर दिया। वंदे मातरम् को आज भी आधिकारिक रूप से राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन सरकारी समारोहों में इसके पहले के दो छंदों का ही गायन होता है। हालांकि बाल कया था। गंगाधर तिलक ने इसे राष्ट्रीय प्रार्थना और अरविंदो घोष घोष ने मंत्र कहते हुए इसे राष्ट्रगान का दर्जा देने की की मांग की थी। यह गीत राष्ट्र गान की जगह तो नहीं ले सका लेकिन राष्ट्रगीत के तौर पर आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरणा दे रहा है। अब इसके 150 साल पूरे होने पर संसद में चर्चा कराई गई। बंदे मातरम आनंद मठ के संतानों द्वारा गाया जाने वाला गीत है। यह देशभक्ति के धर्म के प्रतीक के रूप में खड़ा था, जो आनंद मठ का केंद्रीय विषय था। अपने मंदिर में, उन्होंने मातृभूमि का प्रतिनिधित्व करने वाली मां की तीन मूर्तियां स्थापित कीं। बंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चटर्जी (1838-1894) 19वीं सदी के के बंगाल बंगाल के के सब सबसे प्रमुख व्यक्तियों में से एक थे। उन्नीसवीं सदी के दौरान बंगाल के बौद्धिक और साहित्यिक इतिहास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। एक प्रतिष्ठित उपन्यासकार, कवि और निबंधकार के रूप में, उनके योगदान ने आधुनिक बंगाली गद्य के विकास और उभरते भारतीय रष्ट्रवाद की अभिव्यक्ति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया। आनंदमठ (1882), दुर्गेशनंदिनी (1865), कपालकुंडला (1866) और देवी चौधरानी (1884) सहित उनकी उल्लेखनीय रचनाएं, आत्म-पहचान के लिए प्रयासरत एक उपनिवेशित समाज की सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक चिंताओं को दर्शाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

हिरणपुर में अवैध कोयला तस्करी पर पुलिस का छापा, दो बाइक ज़ब्त

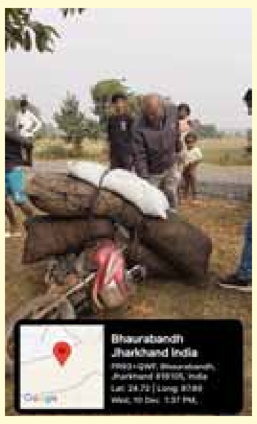

हिरणपुर(पाकुड़)।पाकुड़ जिला के हिरणपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध कोयला तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो मोटरसाइकिलों को जब्त किया है। हालांकि, कोयला तस्कर पुलिस को चकमा देकर मौके से भागने में सफल रहे। थाना प्रभारी के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध रूप से कोयले की चोरी कर तस्करी कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, आरोपी ऊपर बांधा गांव के रास्ते से चोरी का अवैध कोयला लादकर कहीं ले जा रहे थे।

पुलिस की कार्रवाई: गुप्त सूचना के आधार पर, हिरणपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त मार्ग पर घेराबंदी की।

सफलता: पुलिस ने कोयला लदी दोनों मोटरसाइकिलों को धर दबोचा।

तस्कर फरार: पुलिस को देखते ही कोयला तस्कर मोटरसाइकिलें वहीं छोड़कर भागने में सफल रहे।

अवैध गतिविधियों पर पुलिस की कड़ी नज़र

पुलिस ने दोनों जब्त मोटरसाइकिलों और उन पर लदे अवैध कोयले को थाना परिसर ले आई है। पुलिस अब फरार तस्करों की पहचान कर उन्हें पकड़ने की कार्रवाई में जुट गई है।क्षेत्र में अवैध कोयला तस्करी पर पुलिस की लगातार कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने साफ किया है कि क्षेत्र में किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ लगातार अभियान जारी रहेगा।

महेशपुर पुलिस की बड़ी सफलताः चोरी की बाइक ज़ब्त, बंगाल से अभियुक्त गिरफ्तार

महेशपुर(पाकुड़)।महेशपुर थाना पुलिस ने वाहन चोरी के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी की गई मोटरसाइकिल को बरामद कर लिया है और एक अंतरराज्यीय चोर को पुलिस रिमांड पर लेकर आपराधिक स्वीकारोक्ति दर्ज की है।जानकारी के अनुसार, राजकुमार यादव (पिता परमेश्वर यादव, पता डांगापारा, थाना-हिरणपुर) ने अपनी मोटरसाइकिल संख्या - JH 16-D-7725 की चोरी को लेकर महेशपुर थाना में कांड संख्या - 137/25 (दिनांक 02.08.25) के तहत धारा 303(2) BNS के तहत अज्ञात चोर के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी।

बंगाल से रिमांड पर लिया गया आरोपी

मामले के अनुसंधान के क्रम में, महेशपुर पुलिस को सूचना मिली कि इस कांड से जुड़ा एक आरोपी, जिसका नाम अभि किरण शेख उर्फ अवतार शेख (पता - गोपालपुर, थाना मुरारई, बीरभूम, पश्चिम बंगाल) है, वह रघुनाथगंज थाना कांड संख्या - 1056/25 के सिलसिले में न्यायिक हिरासत में है।

पुलिस कार्रवाई: महेशपुर पुलिस ने तत्काल कदम उठाते हुए अभियुक्त अभि किरण शेख को बरहमपुर उपकारा होम (पश्चिम बंगाल) से पुलिस रिमांड पर लिया।

अपराध स्वीकारोक्तिः रिमांड के दौरान पुलिस ने अभियुक्त का अपराध स्वीकारोक्ति बयान दर्ज किया।

बाइक की बरामदगी: अभियुक्त की निशानदेही पर चोरी हुई बाइक JH 16D7725 को उसके घर गोपालपुर (बीरभूम, WB) से विधिवत जब्त कर लिया गया है।

अभियुक्त वापस कारागार भेजा गया

सफल पूछताछ और चोरी की बाइक की बरामदगी के बाद, महेशपुर पुलिस ने अभियुक्त अभि किरण शेख को वापस कारा बरहमपुर भेज दिया है। पुलिस के इस त्वरित और सीमा पार के सहयोग से किए गए ऑपरेशन की सराहना की जा रही है।महेशपुर पुलिस ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में संगठित अपराध और अंतरराज्यीय चोर गिरोहों पर उनकी पैनी नज़र है और ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

फरक्का ने पाकुड़ को 137 रनों के बड़े अंतर से हराया, आयुष्मान नायक छाए

» फरक्का के बल्लेबाज आयुष्मान नायक ने जड़ा अर्द्धशतक और झटके 2 विकेट

हिरणपुर(पाकुड़)।हिरणपुर फुटबॉल मैदान में बुधवार को आयोजित जेएमएम चैम्पियंस ट्रॉफी टी-20 लीग के चौथे मुकाबले में फरक्का की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पाकुड़ की टीम को 137 रनों के बड़े अंतर से शिकस्त दी।टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी फरक्का की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सिर्फ 6 विकेट खोकर 333 रनों का एक विशाल स्कोर खड़ा किया। यह लक्ष्य पाकुड़ की टीम के लिए पहाड़ जैसा साबित हुआ।जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकुड़ की टीम शुरुआत से ही दबाव में दिखी और वह 19.3 ओवरों में अपने सभी विकेट खोकर केवल 196 रन ही बना सकी।फरक्का की जीत में उनके स्टार बल्लेबाज आयुष्मान नायक का ऑलराउंड प्रदर्शन निर्णायक साबित हुआ। उन्होंने 86 रनों की शानदार पारी खेलने के साथ ही गेंदबाजी में भी दो महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। उनके इस बेहतरीन प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच के पुरस्कार से नवाजा गया।मैच में अंपायरिंग की भूमिका कुंदन रविदास और श्यामा रविदास ने निभाई। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष विकास रविदास, सचिव जितेंद्र रविदास, विक्की रविदास, करमचंद्र और रंजीत सहित कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

भारत सेवाश्रम संघ के इंद्रजीत घोष 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' से सम्मानित

» आदिम जनजातियों के स्वास्थ्य और शिक्षा में योगदान के लिए मिला सम्मान

पाकुड़।पाकुड़ स्थित भारत सेवाश्रम संघ के सक्रिय कार्यकर्ता इंद्रजीत घोष को 'लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड' से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान वर्ष 2025 में आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति के बीच स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में जागरूकता फैलाने के उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है।जानकारी के अनुसार, इंद्रजीत घोष एक कुशल वक्ता और शिक्षक भी हैं। वह पिछले 15 वर्षों से लगातार इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने संथाल और पहाड़िया समुदाय के लोगों को जागरूक करने के लिए बड़े पैमाने पर शिक्षा और स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया है। उनके इस सराहनीय कार्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। इस उपलब्धि के लिए जिला परियोजना निदेशक अरुण कुमार एक्का ने इंद्रजीत घोष को हार्दिक बधाई दी और उनके भविष्य के कार्यों के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

25 साल बाद भी प्यासा है बड़ा कुड़ियाः झरने के गंदे पानी पर निर्भर 218 लोग

नई सोच एक्सप्रेस

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)।झारखंड को अलग राज्य बने 25 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन पाकुड़ जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड की करमाटांड़ पंचायत अंतर्गत बड़ा कुड़िया गांव आज भी मूलभूत सुविधाओं से कोसों दूर है। लगभग 18 परिवारों के 218 लोग आज भी पीने के पानी के लिए पहाड़ी झरने पर निर्भर हैं, जिससे ग्रामीण लगातार बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं।

आज तक नहीं लगा एक भी चापाकल

ग्रामीण रामी पहाड़िन, चांदी पहाड़िन, सिमोन पहाड़िया, दुखना पहाड़िया और जावरी पहाड़िन ने अपनी व्यथा बताते हुए कहा कि आजादी के बाद से अब तक उनके दो टोलों वाले गांव में एक भी चापाकल नहीं लगा है।

पेयजल संकटः ग्रामीणों को अपनी प्यास बुझाने के लिए पहाड़ी ढलान पर स्थित झरने पर निर्भर रहना पड़ता है।

बीमारी का खतराः गर्मी के दिनों में जब झरने में पानी कम हो जाता है, तो पानी बेहद गंदा हो जाता है। इसी गंदे पानी को ग्रामीण और मवेशी दोनों पीते हैं, जिससे गांव में बीमारियाँ बढ़ रही हैं और ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

बरसात में स्थिति बदतरः बरसात के दिनों में स्थिति और भी भयावह हो जाती है, क्योंकि पहाड़ों से बहकर आने वाला गंदा पानी नाले में मिलकर पानी को पूरी तरह दूषित कर देता है।

सड़क विहीन गाँव, आवागमन भी मुश्किल प्रखंड मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर बसे इस गांव तक पहुंचना भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

मुख्य सड़क से दूरीः ग्रामीणों के अनुसार गांव से मुख्य सड़क तक लगभग पांच किलोमीटर तक सड़क नहीं है। लोगों को पहाड़ी और ऊबड़-खाबड़ रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है।

सबसे अधिक परेशानीः सड़क न होने से बीमार, बुजुर्ग और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ती है, खासकर आपात स्थिति में।

आंतरिक संपर्क विहीनः गांव के दो टोलों को जोड़ने के लिए भी सड़क नहीं बनाई गई है, जिससे आंतरिक आवागमन भी कठिन बना हुआ है।

8 साल बाद भी अधूरी है जलापूर्ति योजना

पहाड़िया आदिम जनजाति परिवारों तक पाइपलाइन से पानी पहुंचाने के लिए सरकार ने करीब 217 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की थी, लेकिन इसे आरंभ हुए लगभग आठ वर्ष बीत चुके हैं, और काम अब तक पूरा नहीं हो पाया है।वंचित बड़ा **कुड़ियाः** कई गांवों में पाइपलाइन बिछाई जा चुकी है, लेकिन बड़ा कुड़िया गांव आज भी इस सुविधा से वंचित है। पाइपलाइन गांव तक नहीं पहुंच पाई है, जिससे ग्रामीणों में गहरा रोष है।बड़ा कुड़िया गांव की यह दयनीय स्थिति सरकार की योजनाओं की हकीकत बयां करती है, जहां आज भी लोग साफ पीने के पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। ग्रामीणों ने प्राथमिकता के आधार पर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की है।

डीएवी पब्लिक स्कूल में मानवाधिकार दिवस पर छात्रों ने उठाई आवाज

नई सोच एक्सप्रेस

» मानव श्रृंखला बनाकर अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार का किया विरोध

पाकुड़।डीएवी पब्लिक स्कूल में मानवाधिकार दिवस बड़े उत्साह और गंभीरता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों को उनके मानवाधिकारों के प्रति जागरूक किया गया।बच्चों ने एक मानव श्रृंखला का निर्माण किया और दुनिया के विभिन्न देशों में अल्पसंख्यकों के ऊपर हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज़ बुलंद की। उन्होंने सभी से मानवाधिकारों की सुरक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज़ उठाने की भावुक अपील भी की।इस मौके पर स्कूल के प्राचार्य डॉ. विश्वदीप चक्रवर्ती ने बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने मानवाधिकारों के महत्व को बताते हुए कहा, "मानवाधिकार वे मौलिक अधिकार हैं जो हमें सिर्फ इसलिए प्राप्त हैं क्योंकि हम मनुष्य हैं। ये अधिकार किसी राज्य या सरकार द्वारा प्रदान नहीं किए जाते, बल्कि ये सार्वभौमिक अधिकार हैं, जो हम सब में जन्म से ही निहित हैं।"उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि हमारी राष्ट्रीयता, लिंग, जातीयता, रंग, धर्म या भाषा कोई भी हो, मानवाधिकार वह बुनियादी अधिकार हैं जो हमारे जीवन को जीने के लायक बनाते हैं। प्राचार्य डॉ. चक्रवर्ती ने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके अधिकारों के प्रयोग को आवश्यक बताते हुए इस पर विशेष बल दिया।

शहरवासियों को तोहफा पाकुड़ में बनेंगे तीन 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' मुफ्त इलाज-जांच की सुविधा

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।शहर के निवासियों को बेहतर इलाज और जांच की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, नगर परिषद (नप) क्षेत्र के तीन प्रमुख स्थानों पर 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' स्थापित किए जाएंगे।नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) अमरेंद्र कुमार चौधरी ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि इन आरोग्य मंदिरों का निर्माण स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सरकारी संपत्तियों पर 'मोहल्ला क्लीनिक' के स्थान पर किया जाएगा।

इन स्थानों पर बनेंगे आरोग्य मंदिर

कार्यपालक पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार चौधरी ने बताया कि शहर में निम्नलिखित तीन जगहों पर आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए जाएंगेः छोटी अलीगंज,कूड़ापाड़ा,तांतीपाड़ा उन्होंने बताया कि छोटी अलीगंज में आरोग्य मंदिर बनाने का काम शुरू किया जा चुका है।

मुफ्त इलाज और जांच की सुविधा

ईओ चौधरी ने 'आयुष्मान आरोग्य मंदिर' के महत्व को समझाते हुए कहा कि यह स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक सरकारी पहल है जो नागरिकों को मुफ्त इलाज, दवाइयाँ और जांच की सुविधा प्रदान करेगी। बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएंः इस पहल के तहत हर नागरिक को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाएं उनके मोहल्ले में ही मिलेंगी। अस्पताल जाने की जरूरत नहींः सामान्य बीमारियों के इलाज के लिए लोगों को सदर अस्पताल या निजी अस्पताल जाने की आवश्यकता नहीं होगी।

मुफ्त जाँचः इन आरोग्य मंदिरों में बीपी (रक्तचाप) और शुगर (मधुमेह) जैसी सामान्य बीमारियों की जाँच से लेकर दवाएँ तक बिल्कुल मुफ्त उपलब्ध कराई जाएंगी।यह पहल पाकुड़ के शहरवासियों के लिए स्वास्थ्य सुविधा को आसान और सुलभ बनाने में मील का पत्थर साबित होगी।

नेशनल हाइवे 333ए पर गड्ढों का जाल, बढ़ी दुर्घटना की आशंका

नई सोच एक्सप्रेस

पाकुड़।पाकुड़ से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 333ए पर बने छोटे-छोटे गड्ढे अब राहगीरों और वाहन चालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गए हैं। सड़क की जर्जर स्थिति न केवल यातायात को प्रभावित कर रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी गंभीर खतरा पैदा कर रही है, जिससे बड़ी दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ गई है।

दुर्घटना का बड़ा कारण बन रहे गड्ढे

सड़क पर गड्ढे होने के कारण वाहन चालक उनसे बचने के लिए अचानक अपने वाहनों को दाएं-बाएं मोड़ने की कोशिश करते हैं। इससे सबसे बड़ी समस्या पीछे आ रहे वाहनों के चालकों को होती है, जिन्हें यह पता नहीं चल पाता कि आगे वाला वाहन किस ओर जाएगा। तेज़ रफ़्तार में ऐसी अनिश्चितता भयानक दुर्घटना का कारण बन सकती है।वाहन मालिकों को नुकसानः इन गड्ढों से वाहन मालिकों को भी काफी नुकसान झेलना पड़ रहा है, क्योंकि टायर फटने और वाहनों के कल-पुर्जों को क्षति पहुंचने का खतरा बना रहता है।अंधेरे में खतराः पाकुड़ से सोनाजोड़ी के बीच दर्जनों से अधिक गड्ढे हैं। रात के अंधेरे में ये गड्ढे दुर्घटना की आशंका को कई गुना बढ़ा देते हैं, खासकर जब बड़े वाहन गड्ढों से बचने के लिए समतल सड़क की ओर जाने का प्रयास करते हैं, तो छोटे वाहनों को ठोकर लगने की संभावना अधिक रहती है।

बढ़ी सड़क दुर्घटनाएं, दुरुस्तीकरण की मांग

यह मुख्य मार्ग पाकुड़ को दुमका जैसे महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ता है और इस पर प्रतिदिन हजारों वाहनों का आवागमन होता है। जर्जर सड़क की वजह से यात्रियों की मुसीबत बढ़ गई है। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसारः

*जनवरी से नवंबर तक इस क्षेत्र में 64 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं।

*इन दुर्घटनाओं में 60 लोगों की मौत हुई है।

*इसके अलावा 19 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

यात्रियों का स्पष्ट कहना है कि जब तक आवागमन के लिए सड़क दुरुस्त नहीं होगी, तब तक सड़क दुर्घटनाओं में इज़ाफ़ा होता रहेगा। इसलिए सड़क पर बने गड्ढों को दुरुस्त किया जाना अति आवश्यक है।

अधिकारियों का आश्वासन

इस मामले पर राष्ट्रीय पथ निर्माण विभाग के कार्यपालक अभियंता (ईई) रविकांत मांझी ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सड़क बनने का कार्य चल रहा है, लेकिन पाकुड़ तक पहुंचने में समय लगेगा।उन्होंने यात्रियों को हो रही परेशानी को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ही सड़क पर छोटे-मोटे गड्ढों को भरवाने (दुरुस्त करवा देने) का आश्वासन दिया है। संबंधित अधिकारियों को इस ओर प्राथमिकता से ध्यान देने की जरूरत है ताकि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

संघर्ष से शिखर तक हिरणपुर के निसार अहमद JSSC CGL पास कर बने प्रखंड कल्याण पदाधिकारी

नई सोच एक्सप्रेस

हिरणपुर (पाकुड़)।संघर्ष, मेहनत और सही दिशा में किए गए प्रयास को अगर किस्मत का साथ मिल जाए, तो सफलता निश्चित रूप से कदम चूमती है। इसी बात को सच साबित कर दिखाया है हिरणपुर प्रखंड के एक साधारण परिवार के निसार अहमद ने। अपनी असाधारण लगन, संघर्ष और निरंतर प्रयास के बल पर उन्होंने JSSC CGL (झारखंड कर्मचारी चयन आयोग संयुक्त स्नातक स्तरीय) परीक्षा में सफलता हासिल की है और अब वह प्रखंड कल्याण पदाधिकारी (BWO) के पद पर चयनित हुए हैं।

संघर्ष भरा बचपन और साधारण पृष्ठभूमि

निसार अहमद का जन्म और पालन-पोषण एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता, कुर्बान अंसारी, हिरणपुर थाने के सामने एक छोटी सी साइकिल की दुकान चलाते हैं। चार बेटों में निसार तीसरे नंबर पर हैं। उनके बड़े भाई भी साइकिल मिस्त्री के रूप में काम करते हैं, जबकि दो छोटे भाई अभी पढ़ाई कर रहे हैं।निसार का जीवन चुनौतियों से भरा रहा, लेकिन उन्होंने शिक्षा को अपना सबसे बड़ा हथियार बनाया और कभी हार नहीं मानी।

कंप्यूटर ऑपरेटर से प्रखंड कल्याण पदाधिकारी तक का सफर

निसार की रोजगार यात्रा की शुरुआत लिट्टीपाड़ा प्रखंड में कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में हुई। उन्होंने हमेशा अवसरों का लाभ उठाया और तैयारी जारी रखी।इंडियन रिजर्व बटालियनः इसके बाद उन्होंने इंडियन रिजर्व बटालियन की वैकेंसी में आवेदन किया और चयनित हुए।रेलवे ग्रुप डी (ट्रैक मैन): उन्होंने रेलवे की ग्रुप डी परीक्षा पास की और ट्रैक मैन के रूप में नौकरी जॉइन की।रेलवे ग्रुप सी (टेक्नीशियन): लगभग ढाई से तीन महीने तक ग्रुप डी में काम करने के बाद, उन्होंने रेलवे की ग्रुप सी परीक्षा भी उत्तीर्ण की और टाटानगर रेलवे में टेक्नीशियन के पद पर ढाई साल तक सेवा दी।पंचायत सचिवः इसके बाद उन्होंने पंचायत सचिव की परीक्षा पास की और वर्तमान में वह लिट्टीपाड़ा प्रखंड की कमलघाटी और बड़ा सरसा पंचायत में पंचायत सचिव के रूप में कार्यरत हैं। अपने वर्तमान पद पर रहते हुए भी, उन्होंने JSSC CGL परीक्षा की तैयारी जारी रखी और इस बार सफलता ने उनके कदम चूमे, जिससे वह अब प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के पद पर चयनित हुए हैं।

अगला लक्ष्य JPSC

निसार अहमद ने इस सफलता से न केवल अपने परिवार का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है। उनका मानना है कि यह सफर यहीं नहीं रुकता। उन्होंने दृढ़ता से कहा, "मेरा अगला लक्ष्य JPSC की तैयारी करना है, और मैं इसके लिए लगातार मेहनत कर रहा हूँ।"निसार अहमद की यह कहानी उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत है जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखते हैं और उन्हें पूरा करने के लिए जी-तोड़ मेहनत करते हैं।

मशरूम उत्पादन सह मूल्यसंबर्धन जागरूकता अभियान

नई सोच एक्सप्रेस

गुमला।जिला के आकांक्षी प्रखण्ड डुमरी के औरापाठ, उदगी, जैरागी और मंझगांव में उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी, प्रेरणा दीक्षित के निदेशानुसार जिला योजना कार्यालय के सौजन्य से एपीपी एग्रीगेट द्वारा मशरूम उत्पादन को बढ़ावा देने और मशरूम उत्पाद का मूल्यसंबर्धन बस्तुओं को प्रोत्साहन देने के लिए सघन जनसंपर्क, सर्वेक्षण, लाभुक चयन के साथ साथ जागरूकता अभियान संचालित किया गया। एपीपी एग्रीगेट खूंटी के निदेशक, प्रभाकर कुमार ने ग्राम सभा का आयोजन कर लाभार्थियों को जागरूक करते हुए कहा कि मशरूम उत्पादन आत्मनिर्भरता का सुगम मार्ग है। इसे अपनाकर आपलोग ना केवल अपनी जिंदगी सुधार सकते हैं बल्कि लगातार आय सृजन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पाद से निर्मित मूल्यसंबर्धन बस्तुओं बड़ी, पापड़, अचार, लड्डू , पेड़े बिस्किट आदि के माध्यम से अपना जीविकोपार्जन भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाग्य और भगवान को कोसने से बेहतर अपने आदतों में सुधार लाकर कर्म से रोजगारोन्मुखी काम से जिन्दगी में बदलाव ला सकते हैं। उन्होंने से निर्मित मूल्यसंबर्धन बस्तुओं और मशरूम उत्पादन के बाजारीकरण का भी करने का भी वादा किया। इस अवसर पर लाभार्थियों ने मशरूम उत्पादन कर अपने जीवन को संवारने का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम का संचालन एपीपी एग्रीगेट के राज्य प्रमुख, अनमोल कुमार ने किया।

गौतम अडाणी ने कहा—भारत को अपना विकास मार्ग स्वयं तय करना होगा

नई सोच एक्सप्रेस

» भारत वही करे जो भारत के हित में हो

गोड्डा।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (इंडियन स्कूल ऑफ माइन्स) धनबाद के शताब्दी वर्ष समारोह में सोमवार को अडाणी समूह के चेयरमैन श्री गौतम अडाणी ने कहा कि एक ऐसे वैश्विक दौर में, जहाँ राष्ट्र अपने हितों को सर्वोपरि रख रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय गठबंधन लगातार कमजोर हो रहे हैं, भारत को अपना विकास पथ स्वयं निर्धारित करना होगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में किसी भी राष्ट्र की संप्रभुता उसकी प्राकृतिक संपदाओं, ऊर्जा तंत्रों और तकनीकी क्षमता पर निर्भर करेगी। इसलिए भारत को अपनी जरूरतों और आकांक्षाओं के अनुरूप ही निर्णय लेने चाहिए—"भारत को वही करना चाहिए जो भारत के हित में हो।" श्री अडाणी ने अपने संबोधन में कहा कि आईआईटी(आईएसएम) धनबाद स्वयं उस दूरदर्शिता का परिणाम है, जिसकी नींव सौ साल पहले ब्रिटिश शासन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने रखी थी। भारत के लिए खनन और भूविज्ञान में क्षमता निर्माण को आवश्यक मानते हुए इस संस्थान की स्थापना का सुझाव दिया गया था। उन्होंने कहा, "यदि हम अपने पैरों के नीचे बसे संसाधनों को समझें और उन ऊर्जा तंत्रों को नियंत्रित करें जो हमारी प्रगति को शक्ति देते हैं—तो हम आर्थिक स्वतंत्रता की मजबूत नींव रखते हैं।"

"नैरेटिव कोलोनाइजेशन" से सावधान रहने का आग्रह

श्री अडाणी ने चेताया कि आज विकसित राष्ट्र, जिन्होंने ऐतिहासिक रूप से भारी उत्सर्जन किए, विकासशील देशों को विकास मार्ग चुनने में प्रभावित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "यदि हम अपनी कथा पर नियंत्रण नहीं रखेंगे, तो हमारी आकांक्षाओं को अवैध ठहराया जाएगा और हमारे बेहतर जीवनयापन के अधिकार को वैश्विक अपराध की तरह प्रस्तुत किया जाएगा।" उन्होंने डेटा का हवाला देते हुए कहा कि भारत दुनिया के सबसे कम प्रति व्यक्ति उत्सर्जन करने वाले देशों में शामिल है, और 50% से अधिक नॉन-फॉसिल इंस्टॉल्ड कैपेसिटी का लक्ष्य निर्धारित समय से पहले हासिल कर चुका है। इसके बावजूद वैश्विक ईएसजी ढाँचों में भारत के प्रदर्शन को कमतर आंकने की प्रवृत्ति विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पूर्वाग्रहों को दर्शाती है।

ऊर्जा सुरक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर

श्री अडाणी ने समूह की ऑस्ट्रेलिया स्थित कार्माइकल खदान का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए विकसित की गई, बावजूद इसके कि यह "सदी की सबसे विवादास्पद पर्यावरणीय और राजनीतिक लड़ाइयों में से एक" रही। साथ ही उन्होंने गुजरात में 30 GW क्षमता वाले खवडा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क का भी उल्लेख किया, जिसके बड़े हिस्से अब संचालित हो रहे हैं।

आईआईटी (आईएसएम) धनबाद के लिए दो नई पहल

कार्यक्रम में श्री अडाणी ने संस्थान के लिए दो प्रमुख घोषणाएँ कीं—

हर वर्ष 50 पेड इंटर्नशिप, जिसमें प्री-प्लेसमेंट अवसर भी शामिल होंगे। अदाणी 3एस माइनिंग एक्सलेंस सेंटर की स्थापना, जिसे टेक्समिन के सहयोग से विकसित किया जाएगा। इसमें मेटावर्स लैब, ड्रोन फ्लीट, सिस्मिक सेंसिंग सिस्टम और प्रिसिजन माइनिंग टेक्नोलॉजी जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ शामिल होंगी।

"भारत का दूसरा स्वतंत्रता संग्राम—आर्थिक और संसाधन संप्रभुता के लिए"

श्री अडाणी ने कहा कि यह समय भारत के "दूसरे स्वतंत्रता संग्राम" का है—इस बार लक्ष्य है आर्थिक और संसाधन संप्रभुता। उन्होंने कहा, "लोग खनन को पुरानी अर्थव्यवस्था मान सकते हैं, लेकिन बिना खनन के नई अर्थव्यवस्था का निर्माण भी असंभव है।"

अंत में उन्होंने छात्रों से आह्वान किया—

"डर के बिना सपने देखें, निरंतर प्रयास करें, नवाचार को अपनाएँ, और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में 'कोर के कस्टोडियन' बनकर योगदान दें।"

कोहली वनडे रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंचे, रोहित शर्मा शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ बल्लेबाज विराट कोहली एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे बल्लेबाज बनने की ओर मजबूती से बढ़ रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की ओर से बुधवार को जारी ताजा मेंस वनडे प्लेयर रैंकिंग में कोहली ने दो स्थान की छलांग लगाते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है, जबकि रोहित शर्मा नंबर-1 की कुर्सी पर बने हुए हैं। कोहली ने पाकिस्तान के बाबर आजम के हाथों अप्रैल 2021 में वनडे बल्लेबाजों की नंबर-1 रैंकिंग गंवाई थी, लेकिन अब वह एक बार फिर शीर्ष स्थान के बेहद करीब पहुंच गए हैं। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद कोहली को रैंकिंग में बड़ा फायदा मिला। 37 वर्षीय कोहली ने सीरीज में कुल 302 रन बनाए और उन्हें 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। सीरीज के आखिरी मुकाबले में विशाखापत्तनम में खेली गई नाबाद 65 रन की पारी के दम पर कोहली अब रोहित शर्मा से सिर्फ आठ रेटिंग अंकों पीछे हैं। वहीं रोहित शर्मा ने सीरीज में 146 रन बनाकर अपनी नंबर-1 पोजिशन बरकरार रखी। रोहित

के 781 रेटिंग अंक हैं, जबकि कोहली के 773 रेटिंग अंक हैं। भारतीय टीम अब 11 जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी, जहां कोहली और रोहित के बीच नंबर-1 स्थान की रेस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी। भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ियों को भी ताजा रैंकिंग में फायदा हुआ है। विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल दो स्थान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में तीन स्थान की छलांग लगाकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए, जो इस सूची में सबसे बड़ा फायदा है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने भी रैंकिंग में सुधार किया है। क्विंटन डी कॉक 13वें, एडेन मार्कराम 25वें और टेम्बा बावुमा 37वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीरीज भारत ने 2-1 से अपने नाम की थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भी बदलाव देखने को मिला है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच सीरीज के पहले मैच के बाद प्रोटियाज के युवा बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस तीन स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं भारत के गेंदबाजों में अक्षर पटेल 13वें, अर्शदीप सिंह 20वें और जसप्रीत बुमराह 25वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने जबरदस्त छलांग लगाई है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो एशेज टेस्ट में लगातार 'प्लेयर ऑफ द मैच' प्रदर्शन के दम पर स्टार्क तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने इन दो मैचों में कुल 18 विकेट झटके हैं और करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक बल्लेबाजी रैंकिंग में दो स्थान फिसलकर चौथे नंबर पर आ गए हैं, जबकि केन विलियमसन दूसरे और स्टीव स्मिथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जो रूट अब भी टेस्ट बल्लेबाजों में नंबर-1 बने हुए हैं। न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच क्राइस्टचर्च में खेला गया पहला टेस्ट ड्रॉ रहा, लेकिन दोनों टीमों के खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ। न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र ने नौ स्थान की छलांग लगाकर 15वां स्थान हासिल किया, जबकि टॉम लैथम छह स्थान ऊपर चढ़कर 34वें नंबर पर पहुंच गए। वेस्टइंडीज के शाई होप और जस्टिन ग्रीव्स ने भी टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में अच्छी बढ़त बनाई, वहीं तेज गेंदबाज केमार रोच ने टेस्ट गेंदबाजों की सूची में पांच स्थान का फायदा उठाया।

दिनेश कार्तिक बने लंदन स्पिरिट के मेंटर और बल्लेबाजी कोच

एजेंसी, लंदन

भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को द हंड्रेड लीग की फ्रेंचाइज़ी लंदन स्पिरिट (मेंस टीम) का मेंटर और बल्लेबाज़ी कोच नियुक्त किया गया है। कार्तिक वर्तमान में आईपीएल की मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के भी मेंटर हैं। द हंड्रेड में यह किसी फ्रेंचाइज़ी के साथ उनकी पहली भूमिका होगी। दिनेश कार्तिक का अनुभव बेहद समृद्ध रहा है। उन्होंने खिलाड़ी और कोच के रूप में आईपीएल में 250 से अधिक मैचों में हिस्सा लिया है, जबकि भारत की ओर से उन्होंने 180 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले हैं। उनका यह व्यापक अनुभव लंदन स्पिरिट के लिए काफी अहम माना जा रहा है। लंदन स्पिरिट के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट मो बॉबट ने फ्रेंचाइज़ी की ओर से जारी बयान में कहा, "डीके का लंदन स्पिरिट में स्वागत करना हमारे लिए खुशी की बात है। वह क्रिकेट के एक बेहद मौलिक सोच वाले खिलाड़ी रहे हैं और शॉर्ट-फॉर्मेट व फ्रेंचाइज़ी क्रिकेट में उनका विशाल अनुभव हमारे लिए अमूल्य साबित

होगा। उनके साथ काम करना मज़ेदार है और वह हर काम में ऊर्जा और उत्साह भर देते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "खेल में इतनी ऊंची पहचान रखने वाले एक और उत्कृष्ट व्यक्ति को टीम से जोड़ना हमारी महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ संभव सहयोग मिले।" नई भूमिका को लेकर दिनेश कार्तिक ने कहा, "लंदन स्पिरिट से जुड़ना मेरे लिए बेहद रोमांचक है। जब मैंने मो, एमसीसी और टेक टाइटन्स की योजनाओं और महत्वाकांक्षाओं के बारे में सुना, तो मैं तुरंत इससे जुड़ने को उत्साहित हो गया। इंग्लिश समर में लॉर्ड्स में काम करना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। यही वह मैदान है जहां मैंने भारत के लिए डेब्यू किया था और अपना आखिरी टेस्ट मैच भी खेला था। लॉर्ड्स मेरे दिल के बहुत करीब है। अगले साल टीम को एकजुट होते देखने और शानदार खिलाड़ियों के साथ काम करने का मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं।" उल्लेखनीय है कि कार्तिक पहले भी मो बॉबट और लंदन स्पिरिट के हेड कोच एंडी फ्लावर के साथ आईपीएल में आरसीबी के लिए काम कर चुके हैं, जिससे यह नई जिम्मेदारी उनके लिए अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

मेजर लीग सॉकर : लगातार दूसरी बार मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर बने लियोनेल मेसी

एजेंसी, मियामी

अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी ने लगातार दूसरी बार मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) का 'मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर' (एमवीपी) अवॉर्ड जीत लिया है। इंटर मियामी को एमएलएस खिताब दिलाने और लीग में सबसे ज्यादा गोल करने के शानदार प्रदर्शन के चलते मेसी को मंगलवार को यह सम्मान दिया गया। 38 वर्षीय मेसी लगातार दो बार एमएलएस एमवीपी बनने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। इसके साथ ही वह एमएलएस इतिहास में दो बार एमवीपी जीतने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले यह उपलब्धि केवल प्रेकी ने हासिल की थी, जिन्होंने 1997 और 2003 में यह पुरस्कार जीता था। मेसी ने इस सीज़न के नियमित मुकाबलों में 29 गोल दागे और 19 गोल असिस्ट कर एमएलएस गोल्डन बूट अपने नाम किया। वह नियमित सत्र में गोल और असिस्ट दोनों में लीग का नेतृत्व करने वाले भी केवल दूसरे खिलाड़ी बने। इससे पहले यह कारनामा 2015 में टोरंटो एफसी के सेबास्टियन जियोविन्को ने किया था। अक्टूबर में इंटर मियामी के साथ तीन साल का अनुबंध विस्तार करने वाले मेसी ने एमएलएस प्लेऑफ में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने प्लेऑफ में 6 गोल किए और 9 असिस्ट दिए। पिछले सप्ताहांत खेले गए फाइनल में इंटर मियामी ने वैंकूवर को 3-1 से हराकर अपना पहला एमएलएस कप खिताब जीता। इस मुकाबले में मेसी ने दो महत्वपूर्ण असिस्ट किए और उन्हें एमएलएस कप एमवीपी भी चुना गया। यह पुरस्कार मेसी के पहले से भरे-पूरे ट्रॉफी कैबिनेट में एक और उपलब्धि जोड़ता है। उनके नाम रिकॉर्ड आठ बैलन डी'ऑर, तीन फीफा मेन्स बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड, दो फीफा वर्ल्ड कप गोल्डन बॉल, तीन यूएफा मेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर, छह यूरोपियन गोल्डन शू, छह ला लीगा बेस्ट प्लेयर अवॉर्ड और 15 बार अर्जेंटीना फुटबॉलर ऑफ द ईयर जैसे सम्मान दर्ज हैं।

एडिलेड टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में पैट कमिंस की वापसी

एजेंसी, एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस की तीसरे एशेज टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हो गई है। यह टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने तीसरे टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें कमिंस की वापसी ही एकमात्र नया बदलाव है। पैट कमिंस ने पीठ के निचले हिस्से (लंबर बैक स्ट्रेस) में चोट के कारण एशेज सीरीज़ के शुरुआती दो टेस्ट नहीं खेले थे। उन्होंने आखिरी बार जुलाई में वेस्टइंडीज के खिलाफ सबीना पार्क में खेले गए तीसरे टेस्ट में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। कमिंस पिछले हफ्ते गाबा टेस्ट के लिए चयन के काफी करीब थे, क्योंकि उनकी रिकवरी उम्मीद से तेज़ रही थी। हालांकि, टीम प्रबंधन ने उन्हें पूरी तरह तैयार करने के लिए मैच सिमुलेशन के तहत कई स्पेल्स गेंदबाज़ी करवाने का निर्णय लिया। मुख्य कोच एंड्र्यू मैकडॉनल्ड ने कहा, "वह हमारी उम्मीद से काफी आगे थे और ब्रिस्बेन टेस्ट के लिए उनके चयन पर गंभीर चर्चा हुई थी। अब हम मानते हैं कि एडिलेड की चुनौती के लिए वह पूरी तरह तैयार होंगे। नेट्स में किए गए सिमुलेशन से उनकी स्किल्स भी तैयार हैं और उनका शरीर खेलने के लिए फिट है। अगर अगले एक हफ्ते में कुछ अप्रत्याशित नहीं होता, तो मुझे उम्मीद है कि पैट कप्तान के तौर पर टॉस करते और ब्लेज़र पहनते दिखेंगे।" इस बीच, बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा ने भी टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। वह पर्थ टेस्ट में प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे थे और पीठ में चोट के कारण गाबा टेस्ट नहीं खेल पाए थे। मैकडॉनल्ड ने बताया कि ख्वाजा ने ब्रिस्बेन में नेट्स में अच्छी बल्लेबाज़ी की और उनके अगले हफ्ते तक पूरी तरह

फिट होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, "उज़्ज़ी (ख्वाजा) फिट और उपलब्ध होने चाहिए। सामान्य तौर पर वह सलामी बल्लेबाज़ के रूप में ही खेलते हैं, लेकिन उनमें क्रम में बदलाव की क्षमता भी है। हम मानते हैं कि हमारे सभी बल्लेबाज़ किसी भी स्थान पर खेलने की काबिलियत रखते हैं।" नाथन लियोन की भी एडिलेड टेस्ट में वापसी की संभावना है, जिससे चयन को लेकर टीम मैनेजमेंट के सामने मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। ऐसे में स्कॉट बोलैंड, माइकल नेसर और ब्रेंडन डोगेट में से दो खिलाड़ियों को अंतिम एकादश से बाहर बैठना पड़ सकता है। वहीं ख्वाजा की उपलब्धता से बल्लेबाज़ी क्रम को लेकर भी कुछ फैसले लेने होंगे। मैकडॉनल्ड ने आगे कहा, "पर्थ और ब्रिस्बेन टेस्ट के बीच और फिर ब्रिस्बेन से एडिलेड के बीच का अंतराल ऐसा था जिसे हम संभाल सकते थे। इसलिए एडिलेड के लिए सबसे संतुलित और उपलब्ध गेंदबाज़ी आक्रमण के साथ उतरने की योजना है। किसी खिलाड़ी को आराम देने का विचार फिलहाल नहीं है, यह फैसला शायद चौथे और पांचवें टेस्ट (मेलबर्न और सिडनी) के लिए लिया जा सकता है।" दो टेस्ट जीतकर ऑस्ट्रेलिया एशेज सीरीज़ में 2-0 से आगे है। तीन टेस्ट अभी बाकी हैं और टीम अगले हफ्ते एडिलेड ओवल में एशेज बरकरार रखने के इरादे से मैदान में उतरेगी।

व्यापार

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार दूसरे दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व (यूएस फेड) की मॉनेटरी पॉलिसी का ऐलान होने के पहले अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी हुई है। इस उतार-चढ़ाव का असर घरेलू सर्राफा बाजार में भी साफ-साफ नजर आ रहा है। सर्राफा बाजार में सोना आज लगातार दूसरे दिन मामूली गिरावट का शिकार हो गया। चांदी की कीमत में लगातार दूसरे दिन इजाफा हो गया। चेन्नई सर्राफा बाजार में आज सोना सबसे ऊंचे भाव पर बना हुआ है। सर्राफा बाजार में आज की गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,18,640 रुपये से लेकर 1,19,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसके अलावा 18 कैरेट सोना 97,070 रुपये से लेकर 99,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में उछाल आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,90,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,29,580 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,790 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,29,480 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,18,690 रुपये प्रति 10

ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,30,090 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,19,990 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,29,580 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,18,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,29,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,18,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,29,580 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,18,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,29,430 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,18,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

इंडिगो संकट के बीच स्पाइसजेट रोजाना शुरू करेगी अतिरिक्त 100 उड़ानें

नई दिल्ली। इंडिगो के हालिया संकट के बीच घरेलू एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट ने इस शीतकालीन सत्र में अपने परिचालन का विस्तार करने की घोषणा की है। स्पाइसजेट ने कहा कि वह 100 अतिरिक्त दैनिक उड़ानें शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि मौजूदा विमानन क्षमता की कमी को दूर किया जा सके। कंपनी ने बताया कि रेगुलेटरी से मंजूरी मिलने के बाद यह सेवा शुरू हो जाएगी। स्पाइसजेट ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि प्रमुख रूटों पर हवाई यात्रा की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए अतिरिक्त उड़ानें शुरू करने की तैयारी की जा रही हैं। इंडिगो में चल रही परिचालन बाधाओं के बीच यह कदम एयरलाइन उद्योग में क्षमता संतुलित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इंडिगो इस समय संकट के दौर से गुजर रही है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने देर शाम एक उच्चस्तरीय बैठक के दौरान इंडिगो एयरलाइन की 10 फीसदी फ्लाइट्स में कटौती का निर्देश जारी किया था।

हरे निशान पर खुला शेयर बाजार, सेंसेक्स 168 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार हरे निशान पर खुला। लगातार दो दिनों की गिरावट के बाद आज शुरुआती कारोबार में बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी देखने को मिल रही है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 168.16 अंक यानी 0.20 फीसदी की उछाल के साथ 84,834.44 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 49.90 अंक यानी 0.19 फीसदी बढ़कर 25,889.55 के स्तर पर ट्रेंड कर रहा है। सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयर में तेजी और 7 में गिरावट देखने को मिल रही है। ट्रेंट, टाटा स्टील और बजाज फिनसर्व के शेयरों में एक फीसदी तक की तेजी है। वहीं, भारतीय मुद्रा रुपया अपने शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.07 पर पहुंच गया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 9:21 तक 135.57 अंक या 0.16 प्रतिशत बढ़कर 84,801.85 अंक पर आ गया। वहीं, 50 शयरों वाला निफ्टी 22.75 अंक या 0.09 प्रतिशत चढ़कर 25,862.40 अंक पर आ गया। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले मंगलवार को बीएसई का सेंसेक्स 436.41 अंक यानी 0.51 फीसदी लुढककर 84,666.28 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई का निफ्टी भी 120.90 अंक यानी 0.47 फीसदी टूटकर 25,839.65 अंक पर बंद हुआ था।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने माइक्रोसॉफ्ट के साथ किया अहम समझौता

नई दिल्ली। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सत्या नडेला की मौजूदगी में माइक्रोसॉफ्ट के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। ये समझौता रोजगार लिंकेज को बढ़ाने और एआई आधारित स्किलिंग बढ़ाने के लिए किया गया है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यहां केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मांडविया और माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ नडेला की मौजूदगी में माइक्रोसॉफ्ट के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता सहयोग रोजगार लिंकेज को बढ़ाने, एआई आधारित स्किलिंग बढ़ाने और भारत के कर्मचारियों को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस साझेदारी की एक सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि माइक्रोसॉफ्ट अपने बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से 15 हजार से अधिक

कंपनियों और पार्टनर्स को श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के नेशनल करियर सर्विस (एनसीएस) प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए काम करेगा। ये सहयोग रोजगार के अवसरों को बढ़ाने, एआई आधारित स्किलिंग (कौशल विकास) को बड़े स्तर पर ले जाने और भारत के कार्यबल को वैश्विक अवसरों के लिए तैयार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अपाचे आरटीएक्स 300 का नया सेलिब्रेशन एडिशन पेश

नई दिल्ली। गोवा में आयोजित मोटासाउल 2025 इवेंट में टीवीएस ने अपनी एडवेंचर-टूरर बाइक अपाचे आरटीएक्स 300 का नया सेलिब्रेशन एडिशन पेश किया है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण ब्लैक व गोल्ड रंग संयोजन है, जो इसे बाकी मॉडलों से अलग बनाता है। नया एडिशन पूरी तरह से स्टाइलिंग अपडेट पर आधारित है और इसमें इंजन, फ्रेम, सस्पेंशन और ब्रेकिंग सेटअप में कोई तकनीकी बदलाव नहीं किया गया है। यानी परफॉर्मेंस और राइडिंग अनुभव स्टैंडर्ड अपाचे आरटीएक्स 300 जैसा ही रहेगा। बाइक में ब्लैक बॉडी पैनल पर शैंपेन गोल्ड ग्राफिक्स दिए गए हैं, जो इसकी डिजाइन

लाइंस को और उभारते हैं। रेड हाईलाइट्स के इस्तेमाल से इसमें स्पोर्टी और एग्रेसिव टच भी मिलता है। वहीं डुअल-टोन एलॉय व्हील्स (ब्लैक और गोल्ड) इसका मुख्य आकर्षण बनते हैं। टीवीएस ने सेलिब्रेशन एडिशन में इलेक्ट्रॉनिक फीचर्स और राइडर एड्स भी वही रखे हैं जो स्टैंडर्ड मॉडल में मौजूद हैं और इस बार कोई नया फीचर पैकेज शामिल नहीं किया गया है।

टाटा टियागो ईवी पर मिल रहा 1.50 लाख का भारी डिस्काउंट

नई दिल्ली। अपनी सबसे किफायती इलेक्ट्रिक कार टियागो ईवी पर टाटा मोटर्स ने इस महीने 1.50 लाख का भारी डिस्काउंट देने की घोषणा की है। यह अब तक का सबसे बड़ा प्राइस कट है, जिसके बाद इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत रुपए 7.99 लाख से घटकर रुपए 6.49 लाख रह गई है। यह लाभ टियागो ईवी के सभी वेरिएंट्स पर लागू होगा, जिससे बजट ग्राहक आसानी से ईवी सेगमेंट में कदम रख सकेंगे। टियागो ईवी फास्ट

चार्जर से सिर्फ 58 मिनट में फुल चार्ज हो जाती है और एक बार चार्ज होने पर लगभग 275 किलोमीटर की रियल-वर्ल्ड रेंज देती है। यह एक्सई, एक्सटी, एक्सझेड प्लस और एक्सझेड प्लस लक्स वेरिएंट्स में उपलब्ध है और पांच रंग विकल्प मिलते हैं। हाल ही में कार में नया 2डी टाटा लोगो, यूएसबी टाइप-सी पोर्ट और ऑटो-डिमिंग आईआरवीएम जैसे अपडेट जोड़े गए हैं। 15ए सॉकेट से चार्ज होने की सुविधा इसे रोजमर्रा की जरूरतों के लिए और आसान बनाती है। यह कार 0 से 60 किमी/घंटा की रफ्तार सिर्फ 5.7 सेकंड में पकड़ सकती है। फीचर्स में 8-स्पीकर साउंड सिस्टम, क्रूज़ कंट्रोल, इलेक्ट्रिक ओआरवीएमएस और रेन-सेंसिंग वाइपर शामिल हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोन: 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।